RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 151 ● भिलाई, शुक्रवार 19 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

तृणमूल पार्षद अनुपम दत्ता की हत्या कांड में तीन लोगों को उम्रकैद

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के पार्षद अनुपम दत्ता की हत्या के मामले में बैरकपुर की एक कोर्ट ने आज तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले सोमवार को अदालत ने तीनों आरोपितों को दोषी करार दिया था। बैरकपुर की तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश अयन कुमार बनर्जी ने सजा की मात्रा तय करते हुए अमित पंडित, संजीब पंडित और जियारुल मंडल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उल्लेखनीय है कि 13 मार्च 2022 को अपने ही घर के सामने गोली मारकर 8 न. वार्ड के पार्षद अनुपम दत्त की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद इलाके में ही छिपे अमित पंडित को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पूछताछ में उसके बयान के आधार पर संजीव पंडित उर्फ बापी और जियाउल मंडल के नाम सामने आए, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि अनुपम दत्त की हत्या के लिए बापी ने जियाउल को सुपारी दी थी और जियाउल ने आगे अमित पंडित को सुपारी दी।

मीडिया रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया प्रचार को लेकर बनाए जाएंगे नियम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया पर न्यायपालिका से जुड़ी घटनाओं के प्रसार को लेकर स्पष्ट नियम तय करने की दिशा में विचार करने के संकेत दिए हैं। यह मामला हाल ही में सामने आई उस घटना के बाद उठा है, जिसमें तत्कालीन मुख्य न्यायाधीशपर जूता फेंकने की घटना हुई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस विषय पर विस्तृत सुनवाई जनवरी में की जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के साथ विचार-विमर्श कर संयुक्त सुझाव पेश करेगी। इन सुझावों में भविष्य में इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के साथ-साथ, यदि कोई घटना होती है तो उसकी मीडिया रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया पर प्रसार को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल होंगे।

लोकसभा से 'वीबी-जी-राम-जी' विधेयक पारित

कृषि मंत्री चौहान बोले-बापू का अपमान कर रहा विपक्ष...

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के हंगामेदार सत्र में, लोकसभा ने गुरुवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) विधेयक, 2025 पारित कर दिया। इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने तीखे विरोध प्रदर्शन किए और सरकार पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान करने तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) के प्रावधानों को कमजोर करने का आरोप लगाया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि महात्मा गांधी का नाम एनआरईजीए में 2009 के चुनावों को ध्यान में रखते हुए जोड़ा गया था। शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के हंगामे पर लोकसभा में कहा कि अपनी बात कहना है और फिर जवाब नहीं सुनना भी 'हिंसा' है, विपक्ष के लोग बापू के आदर्शों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग मनरेगा के नाम ढोंग करते हैं, मोदी सरकार काम करती है। चौहान ने प्रियंका गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि नाम रखने की सनक कांग्रेस की है, बहुत सारी योजनाओं के नाम नेहरू परिवार को महिमामंडित करने के लिए रखे गए। शिवराज ने कहा कि यह आवश्यक हो गया था कि मनरेगा के पैसे का सही उपयोग हो, लूट बंद हो, पारदर्शिता हो, इसलिए इस योजना पर खुले मन से विचार किया गया और नई योजना लाने का फैसला हुआ। उन्होंने जोर देते हुए

कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित गांव जरूरी है, यही इस योजना का उद्देश्य है। चौहान ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि शुरुआत में यह एनआरईजीए था और विधेयक में महात्मा गांधी का नाम शामिल नहीं था। बाद में, जब 2009 के आम चुनाव आए, तो कांग्रेस ने वोट पाने के लिए बापू गांधी का नाम याद किया। मैं कहना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एमजीएनईजीए को सही ढंग से और मजबूती से लागू किया। जीआरएएम जी विधेयक पर आठ घंटे चली चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए चौहान ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार अपने द्वारा की गई विभिन्न पहलों के माध्यम से महात्मा गांधी के आदर्शों को बरकरार रखने को सुनिश्चित कर रही है। चौहान ने कहा, कांग्रेस ने बापू के आदर्शों का नाश किया, एनडीए ने प्रधानमंत्री आवास योजना, उवला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और आयुष्मान भारत के तहत बने पक्के मकानों के जरिए बापू के जीवन को संजोया। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की इस आलोचना का भी खंडन किया । कि मोदी सरकार मनमाने ढंग से योजनाओं के नाम बदलती है और जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के नाम पर रखे गए कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का उदाहरण दिया।

हम गांधी के आदर्शों पर चलने वाले लोग: कृषि मंत्री

उन्होंने कहा, सबसे पहले मैं पूज्य बापू (राष्ट्रपति महात्मा गांधी) के चरणों में प्रणाम करना चाहता हूं। बापू हमारी श्रद्धा हैं। बापू जी हमारे आदर्श हैं। बापू हमारी प्रेरणा हैं। बापू हमारे विश्वास हैं। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय भारतीय जनता पार्टी ने अपने पंच निष्ठाओं में गांधी के सामाजिक-आर्थिक दर्शन को स्थान दिया है। हम गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाले हैं। गांधी जी ने ही कहा था कि गांव भारत की आत्मा है। अगर गांव मर जाएंगे, भारत मर जाएगा। कृषि मंत्री ने कहा, यह गांवों के विकास का विधायक है। माननीय प्रतिपक्षी सदस्यों ने कई तरह के आरोप लगाए। एक बात यह कही कि हम भेदभाव करते हैं। सारा देश हमारे लिए एक है। चेन्नई हो या गुवाहाटी, अपना देश-अपनी माटी। अलग भाषा-अलग वेष, फिर भी अपना एक देश। उन्होंने आगे कहा, मैं इनको बताना चाहता हूं कि अटल जी ने क्या कहा था।

विधानसभा में होगी चर्चा

सीएम नायब सैनी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नोटिस मंजूर

चंडीगढ़/ एजेंसी

हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। सीएम नायब सैनी सदन में केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर पहुंचे। सदन के पहले दिन ही कांग्रेस ने अविश्वास प्रस्ताव लाया, जिसे स्पीकर हरविंदर कल्याण ने मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को सदन की दूसरी सिटिंग में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इससे पहले सदन की शुरुआत में मंत्री अनिल विज ने नेता प्रतिपक्ष बनने पर भूपेन्द्र हुड्डा को बधाई देते हुए कहा- हवाएं लाख मुखालिफहो दिया वही जलेगा जो जिद्द पर अड़ा

है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन में शोक प्रस्ताव पेश किया जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा। विधान सभा की कार्य सलाहकार समिति की बैठक बुधवार को विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी शीतकालीन सत्र के कार्य एवं कार्यसूची पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हरियाणा विधान सभा का शीतकालीन सत्र 18 से 22 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कुल 3 बैठकें होंगी। बैठक के बाद सीएम ने कहा- विपक्ष हाउस का समय बढाने की बात कह रहा है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के बाद दूसरा सत्र 6 माह के बाद होना अनिवार्य है। 26 फरवरी को 6 माह होने हैं उसके बावजूद सरकार ने शीतकालीन सत्र बुलाया है। कांग्रेस सरकार ने कम सत्र बुलाए।

बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी मान सरकार

चंडीगढ़। पंजाब के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने खुद ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर किसानों तक मदद पहुंचाने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सात ट्रक गेहूं के बीजों से भरवाकर बाढ़ प्रभावित जिलों की ओर रवाना किए। ये ट्रक सिर्फ बीज नहीं, बल्कि लाखों किसानों के लिए उम्मीद और नई जिंदगी लेकर जा रहे हैं। दो लाख क्विंटल गेहूं के बीज जो 74 करोड़ रुपये की कीमत के हैं, पूरी तरह से मुफ्त दिए जा रहे हैं। बाढ़ ने जब पंजाब को तबाह किया था, तब किसानों की आंखों में सिर्फ आंसू थे। पांच लाख एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई। महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया।

मनरेगा का नाम बदले जाने पर भड़कीं सीएम ममता

हम भी कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी पर रखेंगे-बनर्जी

कोलकाता। एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि उनकी सरकार ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 'कर्मश्री' का नाम बदलकर महात्मा गांधी के नाम पर रखेगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा कि नरेगा स्कीम से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है; अगर वे राष्ट्रपिता को सम्मान नहीं दे सकते, तो हम देंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में भाजपा का सीधे नाम लिए बिना कहा कि अगर कुछ राजनीतिक दल हमारे

राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने में विफल रहते हैं, तो हम उनका सम्मान करेंगे। ममता ने कहा कि मुझे शर्म आती है कि उन्होंने नरेगा कार्यक्रम से महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला किया है। हम अब राष्ट्रपिता को भी भूला रहे हैं। अब हम अपने राज्य की कर्मश्री योजना का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखेंगे। 'कर्मश्री' योजना के तहत सरकार का दावा है कि वह लाभार्थियों को 75 दिनों तक का काम देती है, इसके बावजूद कि बनर्जी ने कहा कि केंद्र मनरेगा के तहत फंड रोक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य भविष्य में 'कर्मश्री' के तहत काम के दिनों की संख्या बढ़ाकर 100 करना है। उन्होंने कहा, हमने पहले ही 'कर्मश्री' के तहत बहुत सारे कार्यदिवस बनाए हैं। जिसे हम अपने संसाधनों से चला रहे हैं। अगर केंद्रीय फंड बंद भी हो जाते हैं, तो भी हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लोगों को काम मिले।

बीजेपी शिवसेना की बैठक में लिया फैसला

150 सीटों के बंटवारे पर बन गई सहमति....

नई दिल्ली। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से ठीक पहले एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शीर्ष नेताओं ने गुरुवार (18 दिसंबर) को महत्वपूर्ण वार्ता की और सीट बंटवारे पर एक अहम समझौता किया, जिससे मुंबई के राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ सकता है। एशिया के सबसे धनी नगर निकाय, बीएमसी की 227 सीटों पर चुनाव होने हैं, ऐसे में गठबंधन का लक्ष्य विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी शक्ति को मजबूत करना है। यह बैठक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण

कदम है, जिसमें न केवल संख्या बल पर बल्कि चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा का मुख्य बिंदु सीटों का आवंटन था, जिस पर दोनों दलों ने कुल 227 वार्डों में से 150 वार्डों के बंटवारे पर सहमति जताई।

बाढ़ प्रभावित किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी मान सरकार

चंडीगढ़। पंजाब के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने खुद ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर किसानों तक मदद पहुंचाने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सात ट्रक गेहूं के बीजों से भरवाकर बाढ़ प्रभावित जिलों की ओर रवाना किए। ये ट्रक सिर्फ बीज नहीं, बल्कि लाखों किसानों के लिए उम्मीद और नई जिंदगी लेकर जा रहे हैं। दो लाख क्विंटल गेहूं के बीज जो 74 करोड़ रुपये की कीमत के हैं, पूरी तरह से मुफ्त दिए जा रहे हैं। बाढ़ ने जब पंजाब को तबाह किया था, तब किसानों की आंखों में सिर्फ आंसू थे। पांच लाख एकड़ में खड़ी फसल पानी में डूब गई।

पंजाब में चलीं गोलियां

खूनी संघर्ष में बदला जीत का जश्न,आप और कांग्रेसियों के बीच हिंसक झड़प.....

पंजाब। पंजाब के लुधियाना के गिल रोड स्थित बचित्तर नगर इलाके में ब्लॉक समिति चुनाव में जीत के जश्न के दौरान माहौल उस वक्त बेकाबू हो गया, जब आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों गुटों ने पहले एक-दूसरे पर पथराव किया और उसके बाद कांग्रेसी वर्कर ने फायरिंग शुरू कर दी। हैरानी की बात यह है कि जिस समय कांग्रेसी कार्यकर्ता ने गोलियां चलाईं उस समय महिलाएं और बच्चे भी बाहर मौजूद थे। यह वारदात उस समय हुई जब आप के वर्कर धन्यवाद रैली निकाल रहे थे। इस वारदात में गोलियां और पत्थर लगने से पांच लोग घायल हो गए। जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान गुरमुख सिंह (65), रविन्द्र सिंह (44), गुरदीप

सिंह (32), उदमवीर सिंह (25) और मनदीप सिंह (36) के रूप में हुई है। सभी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल रविन्द्र सिंह ने बताया कि वे आप की जीत की खुशी में धन्यवाद रैली निकाल रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस नेता जसबीर सिंह ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी, जिसके बाद झड़प हो गई। आरोप है कि इसके बाद पहले कांग्रेसी वर्करों ने पथराव किया और फिर सीधी गोलियां चलानी शुरू कर दी। आरोप लगाया कि 15 से 20 राउंड गोलियां चलाई गईं। कई लोगों के पैरों में गोलियां लगीं। आप नेता जतिंदरपाल सिंह गाबड़िया ने कहा कि ब्लॉक समिति और जिला परिषद चुनाव में बचित्तर नगर से आप के उम्मीदवार सोनू गिल और सुमित सिंह खन्ना विजयी रहे थे। जीत के बाद धन्यवाद रैली निकाली जा रही थी, तभी कांग्रेस नेता जसबीर सिंह और उसके साथियों ने फायरिंग कर दी। आरोपियों के मौके से फरार होने की बात भी कही गई। घायल गुरमुख सिंह ने बताया कि हार से बौखलाए कांग्रेसी नेता ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोलियां चलाईं।

मस्कट में बोले पीएम मोदी

भारत ने नीतियों के साथ-साथ आर्थिक डीएनए भी बदला

मस्कट/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओमान दौरे का आज दूसरा दिन है। आज पीएम मोदी की मौजूदगी में भारत-ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते से 21वीं सदी में भारत-ओमान की साझेदारी में नया विश्वास और उत्साह का संचार होगा। पीएम मोदी ने भारत-ओमान बिजनेस फोरम के कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा, भारत-ओमान साझेदारी को ये सम्मेलन नई दिशा, नई गति देगा और दोनों देशों के संबंध नई बुलंदियों पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, सभ्यता के आरंभ से ही हमारे पूर्वज एक दूसरे के साथ समुद्र के जरिए व्यापार करते रहे हैं। मांडवी और मस्कट के बीच अरब सागर एक मजबूत पुल बना। इस पुल ने हमारे रिश्तों को मजबूत किया और संस्कृति और अर्थव्यवस्था को ताकत दी। आज हम कह सकते हैं कि समुद्र की लहरें बदलती हैं, मौसम बदलते हैं, लेकिन भारत और ओमान की दोस्ती हर मौसम में मजबूत होती है। प्रधानमंत्री ने कहा हमारा रिश्ता विश्वास की नींव पर बना है और समय के साथ गहराता चला गया है। हमारे कूटनीतिक संबंधों को 70 साल हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हम ऐतिहासिक फैसला ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता 21वीं सदी में हमारी साझेदारी को नया विश्वास और नई ऊर्जा देगा। इससे व्यापार को नई गति मिलेगी और निवेश का भरोसा बनेगा।' पीएम मोदी ने कहा बीते 11 वर्षों में भारत

ने न सिर्फ नीतियां ही नहीं बदली हैं बल्कि भारत ने अपना आर्थिक डीएन ही बदल दिया है। जीएसटी ने भारत को एकीकृत बाजार में बदल दिया है और दिवालिया संहिता से पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है और निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा है। पीएम मोदी ने ओमान की राजधानी मस्कट में भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज हम एक परिवार की तरह इकट्ठा हुए हैं। भारत में विविधता है, जो हमारी संस्कृति का मजबूत आधार है। हमारे लिए हर दिन एक नया रंग लेकर आता है, हर मौसम एक नया उत्सव बन जाता है, हर परंपरा एक नई सोच के साथ आती है। यही कारण है, हम भारतीय कहीं भी जाएं, कहीं भी रहें, हम विविधता का सम्मान करते हैं। हम वहां की संस्कृति, वहां के नियम कायदों के साथ घुल मिल जाते हैं। ओमान में आज मैं यही होते हुए देख रहा हूं।'पीएम मोदी ने कहा, 'भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को हाल ही में एक और अद्भुत सम्मान मिला है। यूनेस्को ने दिवाली को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है। अब दिवाली का दीया हमारे घर को ही नहीं, पूरी दुनिया को रोशन करेगा। ये दुनियाभर में बसे प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

उद्धव सेना का युवा वोटरों पर फोकस

आदित्य के जिम्मे ये अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली। राज्य में 29 नगरपालिकाओं के लिए चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं, जिन्होंने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है और ऐसा लगता है कि आने वाले हफ्तों में मुंबई की राजनीति और भी रंगीन हो जाएगी। इस पृष्ठभूमि में, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल रही है कि शिवसेना-भाजपा-एनसीपी गठबंधन के रूप में मुंबई नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ेंगे। दूसरी ओर,

ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि ठाकरे बंधुओं का समूह मुंबई नगर निगम को अपने नियंत्रण में रखने के लिए एकजुट हो रहा है। इसलिए, यह चुनाव केवल स्थानीय स्वशासन निकायों तक ही सीमित नहीं रहेगा।

बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 का शुभारंभः विद्यार्थियों द्वारा किया 250 मॉडलों का प्रदर्शन

अतिथियों ने मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों की उत्कृष्ट प्रतिभा एवं वैज्ञानिक सोच की सराहना की

बालोद। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय आमापारा बालोद में आयोजित 2 दिवसीय बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 का शुभारंभ किया गया। बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन उपस्थित थे। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष तोमन साहू, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख, जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम एवं गुलशन चंद्राकर सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर के अलावा संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, एसडीएम गुण्डरदेही प्रतिमा ठाकरे झा, जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी के अलावा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिका एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

मॉडलों का किया गया प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के पहले पूर्व माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों द्वारा कुल 150 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। इस तरह कार्यक्रम के समापन अवसर पर हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों के विद्यार्थियों के द्वारा कुल 100 मॉडलो का प्रदर्शन किया जाएगा। इस तरह से इस 2 दिवसीय बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के आयोजन के दौरान जिले के सभी पांचों विकासखण्डों के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा कुल 250 मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष तोमन साहू, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं अतिथियों ने स्कूली विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए बेहतरीन मॉडल का अवलोकन कर विद्यार्थियों की उत्कृष्ट प्रतिभा एवं वैज्ञानिक सोच की भूरी-भूरी सराहना की।

यशवंत जैन ने दिया जय विज्ञान का नारा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित बालोद टेक्नोफेस्ट के इस बेहतरीन आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के निर्माण एवं योगदानों को देखते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री द्वारा 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था। यशवंत जैन ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा मौजूदा समय में विज्ञान की महत्ता एवं प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए 'जय जवान, जय किसान' के साथ-साथ 'जय विज्ञान' का नारा दिया गया। उन्होंने कहा कि मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ जीवन को सरल एवं सुगम बनाने तथा संपूर्ण जीव-जगत की अस्तित्व की रक्षा में विज्ञान के महत्व, प्रासंगिकता एवं उपयोग को नजर अंदाज नही किया जा सकता। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों एवं समाज को विज्ञान का उपयोग जनहित एवं मानव कल्याण के पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका को अत्यंत महत्व बताया। उन्होने शिक्षकों की इस दिशा में कार्य करने की अपील भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू ने बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के इस बेहतरीन आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होने इस सफल आयोजन के लिए बालोद जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थियों में असीमित प्रतिभा है। बस आवश्यकता है उन्हें प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं हर संभव मदद उपलब्ध कराने की।

10 मॉडलों को किया जाएगा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित : दिव्या

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिला मुख्यालय बालोद में बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के इस आयोजन को संपूर्ण बालोद जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए बालोद जैसे ग्रामीण परिवेश वाले जिले में संपूर्ण जिले के विभिन्न स्थानों के कुल 250 मॉडलों का चयन होना अपने आप में महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर उन्होंने जिले के सुदूर वनांचल के विद्यार्थियों के द्वारा सीमित संसाधनों के बावजूद भी बेहतरीन मॉडलों की प्रदर्शन की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से बालोद टेक्नोफेस्ट के इस 02 दिवसीय आयोजन के माध्यम से जिले के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोंच, नवाचार एवं तकनीकी कौशल को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को पहुँचाने वाले उनके शिक्षक-शिक्षिकाओं के योगदानों की भी सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से प्रदर्शित की जाने वाली कम से कम 10 मॉडलों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने जिले में बालोद टेक्नोफेस्ट के इस बेहतरीन आयोजन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी के योगदानों की सराहना करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभिन्न विषयों पर बेहतरीन मॉडलों का किया जा रहा प्रदर्शन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने बालोद टेक्नोफेस्ट के आयोजन तथा वर्तमान दौर में विज्ञान के महत्ता एवं प्रासंगिकता के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि हमारे जिले के सुदूर अंचल के विद्यार्थियों के द्वारा सीमित संसाधनों में बनाए गए उनके उत्कृष्ट मॉडलों को राष्ट्रीय स्तर पर भी विशिष्ठ पहचान मिलेगा। कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका सिंह ने जिला मुख्यालय बालोद में बालोद टेक्नोफेस्ट 2.0 के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर नीति आयोग के द्वारा जिला मुख्यालय बालोद में बालोद टेक्नोफेस्ट के बेहतरीन आयोजन के लिए कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा को सम्मानित भी किया गया। समारोह में अतिथियों के द्वारा फीता काटकर बालोद टेक्नोफेस्ट का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा आदिवासी गांव, ज्वालामुखी, ग्लोबल वार्मिंग, महिला सुरक्षा, स्मार्ट सिटी आदि विभिन्न विषयों पर बेहतरीन मॉडलों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

जिले में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई नवोदय चयन परीक्षा

बेमेतरा। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित आवासीय जवाहर नवोदय विद्यालय योजना के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा, जिला बेमेतरा में नवोदय चयन परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा का आयोजन जिले के चारों विकासखंडों नवागढ़, बेमेतरा, साजा एवं बेरला में निर्धारित परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। जिले में आयोजित इस चयन परीक्षा के लिए कुल 7481 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 4829 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 2652 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जिले में कुल 64.55 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा का समय पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 1:30 बजे तक निर्धारित था, जिसे दो घंटे की अवधि में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

प्रशासनिक एवं विभागीय मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

परीक्षा का आयोजन विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं जिले के कलेक्टर महोदय तथा जिला शिक्षा अधिकारी, बेमेतरा के मार्गदर्शन में किया गया। चारों विकासखंडों के प्रभारी अधिकारियों, सहायक जिला शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित अमले के सहयोग से परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी, बेमेतरा द्वारा जिले के सभी 32 परीक्षा केंद्रों में मुख्य पर्यवेक्षक (ष्टस्) एवं केंद्र स्तरीय अधिकारी की नियुक्ति की गई थी।

पूर्व प्रशिक्षण एवं ओरियंटेशन शिविर का आयोजन

चयन परीक्षा के सफल संचालन हेतु ओरियंटेशन एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षण कार्यशाला में पीपीटी के माध्यम से संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें बैंकों से प्रश्न पत्रों के संग्रहण, परीक्षा संचालन, सामग्री की सीलिंग, पैकिंग एवं सुरक्षित जमा करने की समस्त प्रक्रियाओं के बारे में सीएस एवं सीएलओ को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

विद्यालय प्राचार्य ने जताया आभार

जवाहर नवोदय विद्यालय बहेरा के प्राचार्य के.के. दहिकर ने चयन परीक्षा के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखंडों के प्रभारी अधिकारियों तथा जिले के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रश्न पत्रों की सुरक्षित आपूर्ति एवं निगरानी

जवाहर नवोदय विद्यालय बेमेतरा द्वारा कुल 10 शिक्षकों को सर्वेक्षण अधिकारी, रूट इंचार्ज एवं ब्लॉक समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया। निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार 10 वाहनों के माध्यम से बैंकों से प्रश्न पत्रों का संकलन कर उन्हें सीएस के माध्यम से पूर्ण सुरक्षा एवं गोपनीयता के साथ सभी 32 परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंचाया गया। परीक्षा पश्चात प्रश्न पत्रों एवं अन्य सामग्री को सीलबंद कर सुरक्षित रूप से कैंप कार्यालय तक जमा कराया गया।

अवैध धान भंडारण पर सख्त कार्रवाई, तहसील रेंगाखार में 6 प्रकरणों में 293 क्विंटल धान जब्त

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार कबीरधाम जिले में अवैध धान भंडारण एवं अवैध परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर द्वारा जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अवैध धान भंडारण, कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध नियमित जांच कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में आज तहसील रेंगाखार अंतर्गत राजस्व विभाग, मंडी समिति एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान 6 अलग-अलग प्रकरणों में कोचियों द्वारा अवैध रूप से संग्रहित कुल 293 क्विंटल धान जप्त किया गया। जप्त किए गए धान के संबंध में संबंधित व्यक्तियों द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके चलते मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

इंद्रदेवेश्वरानंद सरस्वती महाराज कों स्मृति चिन्ह भेंट कर कथा पंडाल में तुलसी पूजन का आयोजन

बेमेतरा। बेरला नगर में सोनी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के समापन दिवस पर संत आशाराम बापू के साधकों नें राष्ट्रीय संत इंद्रदेवेश्वरानंद सरस्वती महाराज का व्यासपीठ में भव्य स्वागत करते हैं उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। हरि ओम साधक परिवार नें संत इंद्रदेवेश्वरानंद महाराज द्वारा कथा के दौरान भक्तजनों तथा जनमानस में 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस और 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के स्थान पर मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने के आव्हान हेतु प्रार्थना किया। और उन्होंने अपनें भागवत पंडाल में तुलसी पूजन का कार्यक्रम आयोजित कराया। इस सेवा के अवसर पर समिति से जगतराम साहू, तिजऊ जोशी, संतोष साहू, ओमकुमार सोनी, सोनू साहू, भगवती साहू, विक्रम साहू, भुवन साहू, गणेश पटेल, हेमलाल साहू, प्रदीप साहू, शिद्धांत चौहान, कुश कश्यप, खूबी साहू, चेतन साहू, अभिलाष वर्मा, नेमकुमार, भोला, देवेंद्र, मनोज, रामायण, रामजी, डॉ जनक, मनोज शर्मा, हेमकुमार मंडावी, हेमंत, रामस्नेही, रामकुमार, महिला उत्थान मंडल के बहनें की उपस्थिति रहे।

धान खरीदी लिमिट एवं टोकन को लेकर आशीष छाबड़ा ने लिखा पत्र

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा कलेक्टर को पत्र लिखा जिसमें उन्होंने प्रतिदिन धान खरीदी के लिए निश्चित किए गए लिमिट एवं टोकन की मात्रा को बढ़ाए जाने को लेकर कलेक्टर से राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित करके पहल करने के लिए कहा है ज्ञात हो कि धान खरीदी की अंतिम तिथि समीप आ रही है और बेमेतरा जिले में जितने धान की खरीदी अब तक हुई है और इसी अनुपात में आगामी दिनों में खरीदी किया जाना है वह इस लिमिट एवं टोकन से संभव ही नहीं है राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के 5 जिलों में खरीदी की लिमिट एवं टोकन को बढ़ाया है उसमें बेमेतरा जिला नहीं है जबकि बेमेतरा जिला छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल का गृह जिला है ऐसे में अब तक बेमेतरा जिले में लिमिट एवं टोकन को लेकर किसी प्रकार की पहल न किया जाना भी अपने आप में भाजपा की सोच को दर्शाता है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा है कि प्रशासन बढ़-चढ़कर जिस प्रकार से दावा कर रही है कि 24 घंटे टोकन काटने की सुविधा किसानों को दी गई है वह कोरा झूठ है वास्तविकता यह है कि मात्र दो एकड़ से कम खेती करने वाले किसानों को ही यह सुविधा का लाभ मिल पा रहा है। जबकि जिले के अधिकांश ग्रामों में 2 एकड़ खेती से अधिक के किसानों के धान अब तक नहीं बिक पाए हैं और इनकी संख्या इतनी अधिक है कि शासन द्वारा निर्धारित की गई अंतिम तिथि तक इन किसानों के धान बिक पाएंगे यह संभव ही नहीं है भाजपा के जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ता को किसानों की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है। यही कारण है कि भाजपा का अब तक एक भी प्रतिनिधि इस विषय को लेकर शासन के समक्ष कोई बात किया हो देखने सुनने में नहीं आया है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ने कलेक्टर को लिखे इस पत्र में कहां है कि अगर शासन द्वारा किसानों के धान खरीदी के लिए निर्धारित लिमिट एवं टोकन की मात्रा को नहीं बढ़ाया जाता तो आने वाले दिनों में कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी। किसानों की समस्याओं को लेकर सड़क की लड़ाई लड़नी पड़ेगी तो भी कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। किसानों को इंसाफ दिलाकर रहेगी। अन्नदाता किसानों को अकेला नहीं छोड सकती कांग्रेस, गरीब और किसान हमेशा से कांग्रेस के प्राथमिकता में शामिल रहे हैं।

नई ट्रेड लाइसेंस नीति व्यापारियों के साथ छलावा : भूपेंद्र डहरवाल

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा व्यापारियों के विरुद्ध लागू की गई नई ट्रेड लाइसेंस नीति का छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स दल्लीराजहरा इकाई के महामंत्री भूपेंद्र डहरवाल ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस नीति को व्यापारियों के साथ सीधा छलावा करार देते हुए कहा कि व्यापारी पहले से ही शासन की नीति के अनुसार अपनी दुकानों का संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) नियमित रूप से अदा कर रहे हैं। ऐसे में अब उसी दुकान पर स्क्वायर फीट के आधार पर पुनः ट्रेड लाइसेंस शुल्क लेना पूरी तरह अनुचित और अव्यवहारिक है।डहरवाल ने कहा कि यह निर्णय व्यापारियों पर दोहरा आर्थिक बोझ डालने वाला है, जो किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं है। वर्तमान समय में छोटे से लेकर बड़े व्यापारी तक मंदी की मार झेल रहे हैं, वहीं ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से परंपरागत व्यापार का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ है। ऐसे कठिन दौर में सरकार को व्यापारियों को राहत देने की आवश्यकता है, न कि उन पर नए-नए शुल्क और कर थोपकर उन्हें और संकट में डालने की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि व्यापारी वर्ग सरकार के साथ सहयोग करने को सदैव तत्पर रहता है, किंतु अपने स्वाभिमान की कीमत पर किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। भूपेंद्र डहरवाल ने प्रदेश, जिला एवं स्थानीय स्तर पर कार्यरत सभी व्यापारिक संगठनों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर इस अव्यावहारिक और व्यापार विरोधी नीति के खिलाफ आवाज बुलंद करें, साथ ही उन्होंने प्रदेश के सभी विधायकों, सांसदों एवं छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रियों से भी आग्रह किया कि व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस काले कानून को तत्काल वापस लिया जाए, ताकि प्रदेश का व्यापारी वर्ग राहत की सांस ले सके और व्यापार को पुनः गति मिल सके।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा को मिली नई ताकत

कृष्ण चंद्राकर बने कबीरधाम जिलाध्यक्ष

कवर्धा। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश में संगठन को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक साहू द्वारा जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई। इसी क्रम में कबीरधाम जिले के लिए कृष्ण चंद्राकर (कुंडा) को भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन की घोषणा होते ही जिलेभर में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह एवं खुशी की लहर दौड़ गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि कृष्ण चंद्राकर के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिले में संगठनात्मक मजबूती के साथ जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएगा। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह नियुक्ति न केवल संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगी, बल्कि आगामी कार्यक्रमों, अभियानों और आंदोलनों को भी नई गति देने का कार्य करेगी। जिले में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के माध्यम से सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पीएम आवास, जनमन योजना व धान खरीदी पर कलेक्टर गोपाल वर्मा की कड़ी नजर, विकास कार्यों को गति देने ने अधिकारियों को दिए निर्देश

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभागवार कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं सहित जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए चलाए जा रहे प्रधानमंत्री जनमन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रगति के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी, अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर आर.बी. देवांगन, सर्व एसडीएम सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर वर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर लाभान्वित हितग्राहियों का विस्तृत सत्यापन तथा संबंधित बैंकों के माध्यम से ई-केवायसी की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों की जानकारी का शत-प्रतिशत, सटीक एवं समयबद्ध तरीके से प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपडेट में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ताकि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र भूमिहीन कृषि मजदूर तक बिना किसी बाधा के पहुंचे और कोई भी हितग्राही लाभ से वंचित न रह जाए। कलेक्टर वर्मा ने जिले में प्रस्तावित विद्युत सब-स्टेशनों के संबंध में विद्युत विभाग से कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से अब तक हुए कार्य, शेष प्रक्रियाओं तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर सब-स्टेशन निर्माण के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं, वहां स्थल को स्पष्ट रूप से चिन्हित कर शीघ्र आगे की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उन्होंने संबंधित विभाग को सभी लंबित प्रक्रियाओं को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में सब-स्टेशनों का निर्माण पूरा होना आवश्यक है, ताकि जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। कलेक्टर वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में चल रहे आवास निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से बारी-बारी से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले में पीएम आवास निर्माण को बड़े पैमाने पर स्वीकृति प्राप्त हुई है और शासन की मंशा के अनुरूप सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने ब्लॉकवार आवास निर्माण की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन आवासों की स्वीकृति हो चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें अविलंब प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने नियमित निगरानी कर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर वर्मा ने जिला शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के सभी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि छात्रों को शैक्षणिक योजनाओं एवं डिजिटल सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके। कलेक्टर वर्मा ने धान खरीदी व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने धान उठाव की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को उठाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि खरीदी केंद्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही कलेक्टर वर्मा ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिक से अधिक हितग्राहियों को सौर ऊर्जा संयंत्रों के इंस्टॉलेशन के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने तथा जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि पशुपालन एवं गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आम नागरिकों को पैरा दान हेतु निरंतर प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि जिले में गौधाम प्रारंभ किए जा रहे हैं, जहां किसान एवं आमजन सीधे जाकर पैरा दान कर सकते हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग पैरा दान के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि पैरा दान से गौधामों में संरक्षित पशुओं के लिए चारे की समुचित व्यवस्था होगी।

संक्षिप्त समाचार

खनिजों के अवैध परिवहन कर रहे 3 हाइवा और 1 ट्रेलर को खनिज अमला ने किया जप्त

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे द्वारा दिये निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में बीते शनिवार को अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही करते हुए टिमरलगा क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज चूनापत्थर के अवैध परिवहन में संलिप्त हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 13 एक्यू 6504 पर कार्यवाही करते हुए कार्यालय कलेक्टर परिसर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में रखा गया। इसी प्रकार 2 हाईवा, वाहन क्रमांक सीजी 13 एआर 8389, सीजी 13 एवाय 9848 एवं ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 13 एटी 3111 पर कार्यवाही करते हुए थाना सारंगढ़ के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही, खान एवं खनिज अवैध उत्खनन परिवहन पर छ?त्तीसगढ़ गौण खनिज नियम विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। कलेक्टर डॉ कन्नौजे के निर्देश एवं खनि अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज अमला द्वारा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में किये जा रहे खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु समय समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर एवं विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचना पर तत्परता से कार्यवाही किया जाता रहा है और आगे भी निरंतर किया जाएगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित करने के लिए सूर्यसभा का आयोजन

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए जिले में जनमानस को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। अक्षय ऊर्जा के स्रोत अंतर्गत सोलर प्लांट लगाकर बिजली बिल से मुक्ति के लिए जनसामान्य को प्रेरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में सूर्यसभा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत आने वाले ग्राम भेड़ीकला, टेड़ेसरा, सोमनी, तिलई, पदुमतरा, धर्मापुर, महरूमखुर्द, जोरातराई, सुकुलदैहान, भर्रेगांव में सूर्यसभा का आयोजन किया गया। सूर्यसभा में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई और नागरिकों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान 44 ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए पंजीयन कराया। जिसमें 23 ग्रामीणों ने वेंडर का चयन किया। ग्राम पंचायत भेड़ीकला में 10 ग्रामीणों ने पंजीयन कराया। इसमें 8 ग्रामीणों ने वेंडर का चयन किया।

पहाड़ीपारा तालाब में हुई चाकूबाजी की घटना के खिलाफ पार्षद ने एसपी को ज्ञापन सौंपा

रायपुर। सुंदर नगर वार्ड की पार्षद श्रीमती सरिता आकाश दुबे ने परसों उनके वार्ड के अंतर्गत पहाड़ी पारा तालाब कुशालपुर में हुई चाकूबाजी की घटना पर आक्रोश जाहिर किया है। मीडिया से चर्चा के दौरान सरिता ने बताया कि उक्त घटना उनके समक्ष हुई थी उन्होंने तत्काल 112 में पुरानी बस्ती थाना एवं डीडी नगर थाना को सूचना दी थी बावजूद उसके पुलिस घटनास्थल पर एक घंटे के बाद पहुंची। उन्होंने बताया कि सुबह शाम की सैर करने वाले भी यहां होने वाली गुंडागर्दी को लेकर भयभीत है। पार्षद दुबे के अनुसार उक्त क्षेत्र डीडी नगर थाना एवं पुरानी बस्ती थाना दोनों के अंतर्गत आता है इसके बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा बरती गई उदासीनता पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। पार्षद सरिता दुबे ने बताया कि पुलिस आने के बाद भी वहां लड़कें हुल्लड़बाजी एवं गंदी गंदी गाली दे रहे थे इसके बाद भी पुलिस टीम के लोग थाने की जीप में बैठकर तमाशा देखते रहे। सरिता के अनुसार वे सुंदर नगर वार्ड की जनप्रतिनिधि है। जब उनकी बात थाने वाली नहीं सुन रहे है तो आम आदमी के साथ संबंधित थानों में कैसा व्यवहार होता होगा। यह विचारणीय है। मीडिया में दी गई जानकारी के अनुसार पार्षद दुबे ने सोमवार को एसपी को ज्ञापन सौंपकर संबंधित थाना स्टॉफ के खिलाफ समय पर चाकूबाज गुंडों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से बदली जीवन की दिशा: सोलर ऊर्जा से मिली बिजली बिल की चिंता से मुक्ति

रायपुर। कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुंगाडीह निवासी श्री आकाश कुमार डिक्सेना के परिवार के लिए बिजली का बढ़ता बिल लंबे समय से परेशानी का कारण बना हुआ था। उनके पिता खेती-किसानी से जुड़े किसान हैं और माता गृहिणी हैं। सीमित आय वाले इस परिवार पर हर माह आने वाला अधिक बिजली बिल आर्थिक दबाव पैदा कर रहा था। आकाश कुमार डिक्सेना ने बताया कि जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के बारे में जानकारी मिली और यह पता चला कि इस योजना के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विशेष सब्सिडी दी जा रही है, तब उन्होंने अपने घर में सोलर सिस्टम लगवाने का निर्णय लिया। बिजली बिल में राहत पाने और भविष्य को सुरक्षित बनाने की सोच के साथ उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम स्थापित कराया। उन्होंने बताया कि सोलर सिस्टम लगाने में कुल लगभग 3 लाख 30 हजार रुपये की लागत आई।

विधानसभा में यात्रा वृत्तान्त मेरी नज़र से अरुणाचल प्रदेश का विमोचन

सीएम साय ने कहा कि जीवन में यात्राओं का विशेष महत्व

रायपुर/ संवाददाता

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा परिसर में पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति की अरुणाचल प्रदेश यात्रा पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टीवी चैनल बीएसटीवी के राज्य संपादक डॉ. अवधेश मिश्रा द्वारा लिखित यात्रा वृत्तान्त मेरी नज़र से अरुणाचल प्रदेश का विमोचन किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जीवन में यात्राओं का विशेष महत्व है। यात्रा न केवल तनाव से मुक्ति देती है, बल्कि ताजगी और नई ऊर्जा का संचार भी करती है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे नियमित रूप से यात्रा वृत्तान्त पढ़ते हैं और यह रुचि उन्हें राहुल सांकृत्यायन जी को पढ़ने से मिली। यात्रा वृत्तान्तों के माध्यम से पाठक घर बैठे देशङ्कविदेश के भूगोल, संस्कृति और जीवनशैली को समझ पाते हैं। डॉ. सिंह ने डॉ. अवधेश मिश्रा को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार दीर्घा सलाहकार समिति की यात्रा को लिपिबद्ध करने की यह पहल सराहनीय है और यह वृत्तान्त अन्य पर्यटकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में ही इतने मनोरम स्थल हैं कि विदेश जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। नॉर्थ ईस्ट अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और स्वच्छ वातावरण के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए सभी पत्रकारों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की ओर से अरुणाचल प्रदेश जैसे सुंदर राज्य की यात्रा करना और उस अनुभव को लेखन के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना प्रशंसनीय कार्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अपने राज्य मंत्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के कई दौरे किए और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में वहाँ विकास कार्यों को गति मिली। उन्होंने डॉ. अवधेश मिश्रा को इस

यात्रा वृत्तान्त के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक पर्यटकों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी और भविष्य में अन्य लोगों को भी यात्रा वृत्तान्त लेखन के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा, छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री बाबूलाल शर्मा, श्री कृष्णा दास, श्री यशवंत धोटे सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन का आमंत्रण

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में विधायक श्री मोतीलाल साहू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बलौदाबाजार जिले के ग्राम खरतोरा में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय ओपन फिटनेस रन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया तथा आयोजन की प्रतीकात्मक टी-शर्ट भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम हैं।

राशनकार्ड फर्जीवाड़ा,विधानसभा की समिति से जाँच की मांग की

■ सत्तारुढ़ दल के सुशांत शुक्ला, अजय चंद्राकर, धरमलाल कौशिक और धर्मजीत सिंह ने दयालदास को घेरा

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने खाद्यमंत्री दयालदास बघेल को -एपीएल राशनकार्ड से डिलीट करके बीपीएल में बदले जाने को लेकर घेरा। सत्तारूढ़ दल के अजय चंद्राकर और धरमलाल कौशिक ने भी इस मामले की जाँच सदन की हाईपावर कमेटी से कराने की मांग की । विधानसभा में आज भाजके विधायक सुशांत शुक्ला ने बिलासपुर के विभिन्न वार्डों में ए पी एल राशनकार्ड को बीपीएल कार्ड में बदले जाने का मामला उठाया। उन्होंने अपने मूल प्रश्न के जवाब के संदर्भ में कहा कि जो जवाब आया है वो पूरी तरह से गलत है, एक एफ आईआर बिलापसुर में दर्ज हुआ है जिसने फर्जी तरीके से एपीएल कार्ड को बीपीएल में बदला गया है तो क्या एफ आईआर गलत हुआ है क्या, भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण दिया जा रहा है , गरीबों के राशन पर डाका डाला जा रहा है, मै मांग कर रहा हूँ कि उक्त अधिकारी पर कार्रवाई की जाए, जवाब में मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि 19 हितग्राहियों के राशन कार्ड एलपीएल से बीपीएल में बदले गए जिसकी जांच की गई है जिसमें 14 में हितग्राहियों की स्वीकृति दी गई थी, जोन कमिश्नर के अनुशंसा पर कार्ड बनाया गया था, जांच कराई गई है। चर्चा में भाग लेते हुए विधायक अजय चंद्राकर और धरमलाल कौशिक ने इस बात पर जोर दिया कि मामला गम्भीर है इस पर आधे घंटे की चर्चा करवाया जाए । इस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि इसके लिए प्रक्रिया होती है इसके तहत नियमानुसार आवेदन करें । यह मामला विधायक सुशान्त शुक्ला ने पिछले सत्र में भी उठाया था। खाद्य मंत्री ने आगे अपने जवाब में जब स्वीकार किया कि इस मामले में एफआई आर दर्ज हुई है ।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

रायपुर। जिले के प्रतापपुर के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रतापपुर एवं खाद्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र सोनगरा, दवनकरा एवं चंदौरा केंद्र का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं जैसे तौल व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं साफ-सफाई की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान विक्रय हेतु आने वाले सभी किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर जयवर्धन ने मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी प्रतिक्रिया जानी तथा प्राप्त सुझावों के आधार पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कांग्रेस ने भाजपा पर सका तंज

आजादी से लेकर आज तक वंदे मातरम का विरोध किया भाजपा ने

■ आरएसएस की एक भी बैठक में वंदे मातरम का गायन हुआ हो तो उसका वीडियो जारी करे।

रायपुर। संवाददाता

आजादी की लड़ाई में जब कांग्रेस ने वंदे मातरम का गायन किया, तब भाजपा उसका विरोध करती थी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से लेकर भाजपा का हर छोटा-बड़ा नेता खुद को बड़ा देशभक्त साबित करने वंदे मातरम पर बयान दे रहा, लेकिन यह सिर्फ भाजपाइयों का दिखावा है। कांग्रेस की हर बैठक की शुरूआत में वंदे मातरम के गायन की परंपरा है। वंदे मातरम को लेकर संसद में प्रधानमंत्री बड़ी-बड़ी बात करते है लेकिन भाजपा की बैठकों में, कार्यक्रमों में, आरएसएस की बैठकों में, कार्यक्रम में वंदे मातरम का गायन नहीं किया जाता। भाजपा को चुनौती है कि आरएसएस की एक भी बैठक में वंदे मातरम का गायन हुआ हो तो उसका वीडियो जारी करने का साहस दिखाये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि वंदे मातरम् पर बात करने के पहले भाजपा को कांग्रेस का धन्यवाद करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने 1896 में अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में सामूहिक गायन करके प्रथम बार इसको मान्यता दी, सम्मान दिया और 1937 में राष्ट्रीय गीत घोषित किया। ये संघी भाजपाई क्या मानेंगे? पहले संविधान और तिरंगा को नकारा और अब झुकना पड़ रहा है। कंपनी राज के दलाल पहले अंग्रेजी की चापलूसी करते थे, अब अडानी के।

धान के अवैध भंडारण व परिवहन पर सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहे

रायपुर। संवाददाता

जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने विभागवार लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के 105 उपार्जन केंद्रों में शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप में अब तक हुई कुल धान खरीदी, धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण, किसानों को निर्धारित समय अवधि में हो रहे राशि भुगतान सहित धान खरीदी से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी योजना राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है। कलेक्टर ने साफ निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के वास्तविक उपज को विक्रय करने में किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानियां नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने धान खरीदी नीति का पालन करते हुए सुचारू रूप से धान खरीदी की व्यवस्था पर सतत् निगरानी रखने और धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण पर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्यवाही जारी रखने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों को शनिवार एवं रविवार को समितियों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में धान की आवक बढ़ेगी, ऐसे में टोकन सत्यापन, रकबा समर्पण तथा अवैध भंडारण एवं परिवहन पर सतत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अमानक धान खरीदी की शिकायत मिलने पर संबंधित समिति प्रबंधक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने बैठक में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में सड़क, पुल-पुलिया एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नरेगा अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए इन कार्यों को और अधिक गति देने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नगर निगम आयुक्त को विशेष ध्यान देने को कहा। राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने खसरा सत्यापन का कार्य 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना, अतिक्रमण हटाने तथा बॉन्ड ओवर की कार्रवाई को प्रभावी क्रियान्वयन करें।

प्रदेश में खराब सड़कों का मरम्मत कार्य द्रुतगति से - उपमुख्यमंत्री साव

रायपुर। विस शीतकालीन सत्र में आज प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश में सड़क मरम्मत का काम द्रुत गति से जारी है । डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सड़क पर 23.94 लाख की मुआवजा राशि लम्बित है । तीन सड़के प्रधानमंत्री सड़क योजना में शामिल किया गया है । इसको लेकर कांग्रेस की विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने विभागीय मंत्री पर आरोप लगाया कि कथनी और करनी में बड़ा अंतर है । उन्होंने लोकनिर्माण मंत्री से अपने प्रश्न में पूछा था कि डोंगरगढ़ क्षेत्र में कितने सड़क मरम्मत योग्य पाए गए है और कौन से दो सड़क है , जो सड़के प्रक्रियाधीन बताई गई है 48 उनमें कही काम नहीं दिख रहा है , कौन से 4 सड़क का कार्य पूर्ण हुआ है ,अरुण साव - दो सड़कों के लिए मुआवजा प्रक्रियाधीन है , 23 लाख 94 हजार मुआवजा प्रक्रियाधीन है, भू अर्जन की कार्रवाई होती है वहां प्रक्रियाधीन है, 48 मरमत के लिए पाई गई है, 39 सड़कों का कार्य प्रगति पर है, 4 सड़कों के मरमत पूर्ण हो चुका है, 5 सड़कों का कार्य अप्रारंभ है। इस प्रश्न के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने विधायक हर्षिता गोस्वामी को उनके द्वारा कह गए कुछ शब्दों को असंसदीय बताते हुए उनका विकल्प उपयोग करने की सलाह दी।

छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति से बदली ज़िंदगी मिला नवजीवन

■ 75 को 5 प्रतिशत स्मार्टफोन व 25 को मेसन किट का वितरण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के स्पष्ट निर्देशों तथा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के नक्सल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक और प्रभावी कदम उठाया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 75 आत्मसमर्पित नक्सलियों को अत्याधुनिक 5त्न स्मार्टफोन तथा 25 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट प्रदान की गई। इस पहल को कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव एवं पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण के सतत मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है। शासन का स्पष्ट संदेश है कि पुनर्वास केवल हथियार त्यागने तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मान और स्थायी आजीविका से जुड़ा हुआ है। इसी सोच के तहत पुनर्वास केंद्र में रह रहे युवाओं को तकनीकी, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान 75 पुनर्वासित युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी एम06 5त्न स्मार्टफोन प्रदान किए गए, जिनमें 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा एवं 5000 एमएएच फास्ट चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन स्मार्टफोनों के माध्यम से युवा अब डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, ऑनलाइन प्रशिक्षण, शासकीय योजनाओं एवं रोजगार से जुड़ी जानकारियों तक सीधे पहुंच बना सकेंगे। इसके साथ ही 25 पुनर्वासित युवाओं को मेसन किट प्रदान कर उन्हें निर्माण क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहल प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सहित अन्य विकास कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर कुशल श्रमशक्ति तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम नक्सल उन्मूलन की रणनीति में एक निर्णायक मोड़ है, जहां बंदूक के बजाय विश्वास, प्रशिक्षण और अवसर को प्राथमिकता दी जा रही है। पुनर्वास केंद्र में युवाओं को सिलाई, राजमिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक जैसे विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। पुनर्वासित युवाओं ने भी प्रशासन की पहल की सराहना की। पोलमपल्ली निवासी पोड़ियम भीमा ने बताया कि लगभग 30 वर्षों तक नक्सल संगठन से जुड़े रहने के बाद पुनर्वास का निर्णय उनके जीवन का सबसे बेहतर निर्णय साबित हुआ।

ऑनलाइन टोकन से बेचा 120 क्विंटल धान

धान खरीदी की पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को मिल रहा सीधा लाभ-किसान करीमन राम

■ तुहर टोकन' ऐप से आसान हुआ धान विक्रय, किसानों की बढ़ी संतुष्टि

रायपुर/ संवाददाता

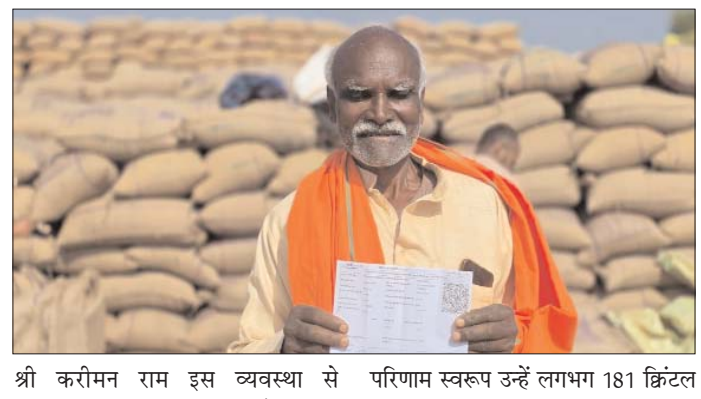

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी व्यवस्था में लागू की गई पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं डिजिटल प्रक्रिया से जिले के किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। टोकन जारी करने से लेकर तौल और भुगतान तक की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल, सहज और किसान-हितैषी बनाया गया है। डिजिटल नवाचारों के माध्यम से खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वास बढ़ा है। अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत फ्तेहपुर के कृषक श्री करीमन राम इस व्यवस्था से लाभान्वित किसानों में शामिल हैं। कृषक श्री करीमन राम ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष लगभग साढ़े आठ एकड़ भूमि में उच्च गुणवत्ता की धान की खेती की। अनुकूल मौसम, समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता और शासकीय सहयोग के परिणाम स्वरूप उन्हें लगभग 181 क्विंटल धान का बंपर उत्पादन प्राप्त हुआ। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उन्होंने प्रथम चरण में 120 क्विंटल धान का विक्रय उपार्जन केन्द्र में किया। उन्होंने बताया कि धान की तौल पूरी तरह पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से की गई। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अनावश्यक कटौती या विलंब का सामना नहीं करना पड़ा। शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्री करीमन राम ने 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप की सराहना करते हुए बताया कि इस डिजिटल सुविधा के माध्यम से उन्होंने घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर लिया। इससे समिति और उपार्जन केन्द्रों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़े। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्षों में टोकन कटाने के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की हानि होती थी, लेकिन इस वर्ष डिजिटल व्यवस्था से यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है।

संपादकीय

इंडिगो पर 10 प्रतिशत कटौती के बाद भी हालात काबू में क्यों नहीं?

विमानन कंपनी इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट अभी थमा नहीं है। अब तक हजारों उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं, जिसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ा है। सरकार ने इस मामले की तहकीकात शुरू कर दी है और साथ ही स्पष्ट किया है कि जांच निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में स्थिति को संभालने के लिए सरकार ने इंडिगो की उड़ानों में दस फीसद की कटौती कर दी है। इस बात को तो सरकार ने भी माना है कि व्यवस्थागत खामियों की वजह से यह संकट पैदा हुआ है, लेकिन किस स्तर पर चूक हुई है, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। मगर सवाल है कि यह संकट खड़ा होने से पहले ही इसका समाधान तलाशने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई? इस अव्यवस्था का खमियाजा यात्रियों को क्यों भुगतना पड़ रहा है? दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होने दी गई। साथ ही कहा कि यह यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है। हैरत की बात है कि जिन नए नियमों की वजह से इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट उपजा, उस आदेश को वापस लेने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। मसला सिर्फ यह नहीं है कि उड़ान रद्द होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई, बल्कि उन्हें दूसरी कंपनियों की उड़ान का सहारा लेने के लिए सामान्य से कई गुना अधिक किराये का भुगतान करना पड़ा। यही वजह है कि उच्च न्यायालय ने इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए सवाल किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में अन्य विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं! हालांकि, इस समस्या के उजागर होने के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराये की सीमा तय कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि विमानन कंपनियों की यह मनमानी कोई एक बार की बात नहीं है। जब कभी उड़ान परिचालन का संकट पैदा होता है या फिर अत्यधिक व्यस्त समय हो, तो यात्रियों से मनमाना किराया वसूलना आम बात है। आखिर सरकार की ओर से इस पर अंकुश लगाने के लिए स्थायी तौर पर व्यवस्था क्यों नहीं की जाती है? इसमें दो राय नहीं है कि पिछले करीब एक सप्ताह से उड़ान परिचालन में संकट के कारण अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। देश भर में हर रोज हजारों लोग विमानों में सफर करते हैं और अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने में विमानन क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। इंडिगो देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोर्चाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

(ललित गर्ग)

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। गजवा हिंद के प्रलापों के प्रतिकार में भगवा हिंद का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों

द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाज़ें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिज़न एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और वही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यह कैसा विमर्श- औपनिवेशिक शासन के अत्याचार इतिहास और उसके विरुद्ध उठी राष्ट्रीय चेतना संप्रदायवाद

(विनोद पाठक)

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में ऐसा कोई दूसरा साहित्यिक या गीतात्मक प्रतीक नहीं है, जिस पर उतना विवाद हुआ हो, जितना 'आनंद मठ' और 'वंदे मातरम्' पर हो रहा है। आश्चर्य यह नहीं कि विवाद है, आश्चर्य यह है कि वे लोग इस विवाद को हवा देते हैं, जिनकी वैचारिक दृष्टि भारत के इतिहास, सौंदर्यशास्त्र और राष्ट्रवाद की आत्मा से सबसे दूर है। यह विवाद साहित्य का नहीं, बल्कि यह उन राजनीतिक धाराओं का संघर्ष है, जो भारतीय राष्ट्रवाद को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से काटकर उसे खोखला, यादहीन और गुनगुना बनाना चाहती हैं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का 'आनंद मठ' किसी धार्मिक श्रेष्ठता का ग्रंथ नहीं, बल्कि औपनिवेशिक दमन से कराहते समाज की करुण पुकार का साहित्यिक रूप है। संन्यासी विद्रोह केवल कुछ साधुओं का प्रतिरोध नहीं था, वह सत्ता के अत्याचार, आर्थिक शोषण और सामाजिक विघटन के विरुद्ध जनता की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। इसे 'हिंदू बनाम मुस्लिम' का संघर्ष कह देने वाले लोग इतिहास नहीं, अपनी राजनीतिक सुविधा पढ़ते हैं। यह अजीब विडंबना है कि आजाद भारत में ऐसे आलोचकों की संख्या बढ़ी है, जो औपनिवेशिक शासन के अत्याचारों को तो इतिहास का हिस्सा मानते हैं, लेकिन उसके विरुद्ध उठी राष्ट्रीय चेतना को संप्रदायवाद कहकर खारिज कर देते हैं। यह आलोचना नहीं, सांस्कृतिक हीनता है। 'वंदे मातरम्' को सांप्रदायिक कहने का तर्क भी इसी हीनता से उपजा है। गीत में मातृभूमि को 'दुर्गा' कहा गया है तो क्या? भारत की कविता, पुराण, लोकगीत और दर्शन में प्रकृति, भूमि, नदियों, पर्वतों को देवत्व दिया गया है। यह विश्वास पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवेदना है। वह संवेदना, जिसने हजारों वर्षों की सभ्यता को एक सूत्र में बांधा है। पश्चिमी देशों की 'मदर लैंड' उन्हें सांस्कृतिक प्रतीक लगती है, लेकिन भारत की 'भारत माता' उन्हें अचानक धार्मिक प्रतीक लगने लगती है। यह असमानता क्यों? क्योंकि यहां आपत्ति धर्म से अधिक राजनीति पर आधारित है। राजनीति की इस भूलभुलैया में सबसे दिलचस्प भूमिका कांग्रेस निभाती है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम्' को अपना शस्त्र बनाया। आज उससे दूरी बनाकर खड़ी है। कांग्रेस का यह दोहरा चरित्र किसी से छिपा नहीं है। आंदोलन के समय यह गीत राष्ट्र की आत्मा था और आज कांग्रेस उसी गीत के उल्लेख से घबराती दिखती है। डर किस बात का है? निश्चित ही अल्पसंख्यक वोटों के नाराज होने का है? या इस संभावना का कि 'वंदे मातरम्' की स्वाभाविक राष्ट्रीयता उस 'सेक्युलरिज्म' को झूठा साबित कर देगी, जो केवल चुनावी पैंतरा बनकर रह गया है? कांग्रेस का संकट गीत या उपन्यास नहीं, बल्कि अपनी स्वयं की इतिहासिक भूमिका है। यदि वह 'वंदे मातरम्' को तुष्टीकरण की राजनीति में बलि चढ़ाए तो वह गांधी, नेहरू, पटेल, बोस, सबको आइडियोलॉजिकल अनाथ बना देती है, लेकिन यदि वह गीत का समर्थन करे तो उसका पूरा 'नया सेक्युलर नैरेटिव' ढह जाता है। इस दुविधा ने कांग्रेस को वैचारिक रूप से इतना कमजोर कर दिया है कि आज वह अपने ही संघर्षों की प्रतीक-धरोहरों को संदिग्ध बनाने में अग्रणी दलों की भाषा बोलने लगी है। वामपंथी दलों का रुख भी इससे कम विरोधाभासी नहीं है। वंदे मातरम् हमारे राष्ट्रत्व की भावना का शाश्वत मंत्र है, जिसे विवादों में घसीटना देश की सांस्कृतिक चेतना को कमजोर करना है। भाजपा भी इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए वंदे मातरम् को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आत्मगौरव और सभ्यतागत निरंतरता का आधार मानती है और इसके विरोध को राजनीतिक संकुचन करार देती है। राजनीतिक खेलों के बीच सबसे अनदेखी आवाज आम जनता की है। जनता का बड़ा हिस्सा 'वंदे मातरम्' को अपनी अस्मिता, अपनी संस्कृति और अपने राष्ट्रगौरव से जोड़कर देखता है। उनके लिए यह गीत विवाद का विषय नहीं, भावनात्मक आधार है। वहीं अल्पसंख्यक समुदाय के सामान्य लोगों में उतनी तीखी असहजता नहीं है, जितना राजनीतिक दलों के बयान बताते हैं। असल समस्या यह है कि भारत की सांस्कृतिक प्रतीकों को बार-बार राजनीतिक रंग में डुबोकर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे विवाद घटता नहीं, बढ़ता है। यदि कोई सत्य स्पष्ट दिखाई देता है तो वह यह है कि भारत अपनी सांस्कृतिक आत्मा को जितना नकारने की कोशिश करेगा, उतना ही वह अपनी ऐतिहासिक शक्ति से दूर होता जाएगा। सवाल यह नहीं कि 'वंदे मातरम' विवादास्पद क्यों है? सवाल यह है कि एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी ही आत्मा के प्रतीक से क्यों भयभीत हो जाता है? किसके दबाव में।यह लेखक के निजी विचार हैं।

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दाँव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबा-सोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के सबसे अस्थिर और विद्रोह-ग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान में स्थित रिकोडिक तांबा-सोना खदान के लिए 1.25 अरब डॉलर के यूएस ईएक्सआईएम बैंक वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह वही परियोजना है जिसे वर्षों से सुरक्षा संकट, राजनीतिक विवाद और बलूच विद्रोहियों की हिंसा ने कभी आगे बढ़ने नहीं दिया। इस निवेश के साथ निकट भविष्य में 2 अरब डॉलर तक की अमेरिकी मशीनरी और सेवाएँ पाकिस्तान भेजी जाएँगी। अमेरिकी चार्ज द'अफ़ेयर्स नटाली बेकर ने कहा है कि यह परियोजना अमेरिका के लिए 6,000 और बलूचिस्तान में 7,500 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी। उन्होंने रिकोडिक को दोनों देशों के लिए लाभकारी आदर्श मॉडल बताया है।

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबाङ्गसोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50 प्रतिशत मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है।

हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला

कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की आईएफसी, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता की गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दाँव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है। यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेंकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छाती ठोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज़ में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया? इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफ़ग़ानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर ठीक सिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (ग्वादर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहीं पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि वह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका मानती हैं। पर विदेशी निवेश वहीं चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, यह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहां आ रहा है? अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीन-अमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की आपूर्ति श्रृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के बेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह डूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। यह सही है कि अमेरिका ने एक बड़ा दाँव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह दाँव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

केशकाल विधानसभा से 150 कार्यकर्ता विधायक के नेतृत्व में नवीन विधानसभा शीतकालीन सत्र की कार्यवाही देखने पहुंचे

कोण्डागांव। केशकाल के पलना बंगोली में 9 करोड़ 4 लाख 29हजार की लागत का पुल स्वीकृत होने पर विधायक नीलकंठ के साथ 20 कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिलकर धन्यवाद दिया। केशकाल विधानसभा से 6 मंडल के करीब 150 कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष के साथ केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के नेतृत्व में नवीन विधानसभा पहुंचकर शीतकालीन सत्र के अनुपूरक बजट की कार्रवाई को देखने शामिल हुए। केशकाल विधानसभा से पहुंचे 150 कार्यकर्ता जिसमें मंडल अध्यक्ष, पुरुष एवं महिला कार्यकर्ता शामिल थे, काफी उत्साहित नजर आए। अधिकतर कार्यकर्ता पहली बार विधानसभा की कार्रवाई को देखने उपस्थित हुए थे। छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर में प्रथम बार नवीन विधानसभा भवन में शीतकालीन सत्र अनुपूरक बजट की कार्रवाई शुरू हुई है। ग्रामीण क्षेत्र से गए कार्यकर्ताओं में नवीन विधानसभा भवन के भव्य रूप को देखकर एवं कार्रवाई में शामिल होकर काफी प्रसन्नता उनके चेहरों पर दिखी, विधायक नीलकंठ के सामने बस्तर संभाग के सरपंच संघ से जुड़े 40 लोगों को एवं 20 कार्यकर्ता जो केशकाल विधानसभा के पलना बंगोली में मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद 9 करोड़ 4 लाख 29हजार की लागत के पुल निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। उनसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करवाई। सभी अपने विधायक नीलकंठ टेकाम को सोशल मीडिया के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित करते दिखे, नीलकंठ टेकाम के प्रयास से विधानसभा केशकाल क्षेत्र के एक साथ डेढ़ सौ कार्यकर्ता शीतकालीन सत्र अनुपूरक बजट की कार्यवाही में शामिल हो पाए।

टोकन नहीं कटने से बवई में आक्रोशित किसानों ने किया चक्का जाम
लिमिट बढ़ाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसान

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के माकड़ी ब्लॉक अंतर्गत धान खरीदी केंद्र बवई में अव्यवस्थाओं से नाराज किसानों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि धान बिक्री के लिए टोकन नहीं काटे जा रहे हैं, जिससे वे मजबूरी में सड़क पर उतरने को विवश हुए। प्रदर्शन कर रहे किसान धान खरीदी की लिमिट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बवई धान उपार्जन केंद्र जिले का सबसे बड़ा खरीदी केंद्र माना जाता है। पिछले वर्ष इसी केंद्र से 70 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी हुई थी, जबकि इस वर्ष एक माह बीत जाने के बाद भी अब तक 15 हजार क्विंटल से भी कम धान की खरीदी हो पाई है। इससे किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है। सड़क जाम की सूचना मिलते ही माकड़ी थाना प्रभारी और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया कि इतने बड़े धान खरीदी केंद्र होने के बावजूद कलेक्टर द्वारा अब तक एक बार भी क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा नहीं लिया गया, जिससे किसानों में रोष और बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि वे पहले ही ज्ञापन के माध्यम से लिमिट बढ़ाने की मांग कलेक्टर को सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अमला मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने में जुटा हुआ है।

धान खरीदी अव्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस का धरना, आंदोलन की चेतावनी

कोण्डागांव। धान खरीदी में व्याप्त अव्यवस्थाओं और किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कोंडागांव ने जिला मुख्यालय स्थित चौपाटी मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर के माध्यम से सौंपते हुए शीघ्र समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि जिले के धान खरीदी केंद्रों पर टोकन कटौती, खरीदी लिमिट कम किए जाने, लंबी कतारों और व्यवस्थित प्रबंधन के कारण किसान भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

एग्रीटेक के नाम पर किसानों की रकबा कटौती किए जाने से उन्हें अपनी उपज बेचने में कठिनाई हो रही है और कई किसान मजबूरी में बाजार में धान बेचने को विवश हैं। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं के प्रति प्रशासन संवेदनशील नहीं है। कलेक्टर कार्यालय पहुंचने पर भी किसानों से समुचित संवाद नहीं हो पा रहा, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने जिले की विभिन्न तहसीलों में किसानों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए चेताया कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। कांग्रेस ने मांग की कि धान खरीदी व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, टोकन और लिमिट से जुड़ी समस्याओं का निराकरण हो तथा किसानों की जायज मांगों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। धरना प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि घोष, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, कांग्रेस नेता अमीन मेमन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की टेबल टेनिस पुरुष टीम प्री-क्वालीफायर राउंड में पहुंची

कोण्डागांव। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर की टेबल टेनिस पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्वी जोन अंतर-विश्वविद्यालयीन टेबल टेनिस प्रतियोगिता में लगातार जीत दर्ज कर ऑल इंडिया प्री-क्वालीफायर राउंड के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस टीम में शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के छात्र परमिन चंद नाग एवं अंशु तिवारी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा भारतीय खेल महासंघ के बैनर तले 15 से 18 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है, जिसमें पूर्वी जोन के लगभग 40 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के अपने पहले मुकाबले में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की टीम ने शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय को 3-0 से पराजित किया। इसके पश्चात द्वितीय राउंड में राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश को 4-1 से तथा तीसरे राउंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, इम्फाल को भी 4-1 से हराकर टीम ने शानदार जीत दर्ज की। इन लगातार जीतों के साथ टीम ने ऑल इंडिया प्री-क्वालीफायर राउंड (क्वार्टर फाइनल) के लिए क्वालीफाई किया। अब टीम का अगला मुकाबला कलकत्ता विश्वविद्यालय से होगा। यह शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि विश्वविद्यालय की टेबल टेनिस पुरुष टीम ने पूर्वी जोन में पहली बार प्री-क्वालीफायर राउंड तक पहुंचने का गौरव प्राप्त किया है। टीम के कोच एच. आर. यदु, क्रीड़ाधिकारी, शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव हैं, जबकि टीम मैनेजर महेंद्र रजक, क्रीड़ाधिकारी, इंदू केवट शासकीय कन्या महाविद्यालय, कांकेर हैं। इस उल्लेखनीय सफलता पर डॉ सरला आत्राम प्राचार्य शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव, संचालक, शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर जगदलपुर बी. एल. केवट सहित विश्वविद्यालय के समस्त क्रीड़ाधिकारियों ने खिलाड़ियों, टीम कोच एवं टीम मैनेजर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि टीम आगामी मुकाबलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय एवं पूरे बस्तर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेगी।

एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 24 दिसम्बर को

कांकेर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोड़ेजुंगा कांकेर में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 24 दिसम्बर को सुबह 11 से अपरान्ह 03 बजे तक किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 421 रिक्तियों के आधार पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी बी.आर. ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सिक्युरिटी गार्ड के 300 पद, सिक्युरिटी सुपरवाइजर के 50 पद, वेल्डर के 05, फिटर के 02, ग्राइंडर मेन के 01, प्रिंटर पावर कटिंग के 01, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 01, फिल्ड ऑफिसर के 50 और कलेक्शन ऑफिसर के 10 पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि इच्छुक आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित होकर अपना सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदक ई-रोजगार के पोर्टल https://erojgar.cg.gov.in/ पर भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियोक्ता द्वारा प्राथमिक चयन कर साक्षात्कार लिया जाएगा, जिसकी सूचना पृथक से फोन के माध्यम से आवेदक को दी जाएगी।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनायों के रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही किए जाने संबंधित निर्देश दिए गए साथ ही यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने एनएच के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में आवश्यक सुधार कार्य किए जाने हेतु एवं बंद पड़े लाइट को जल्द से जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि मुख्यमार्ग के डिवाइडर में लगे हुए बैनर और पोस्टर को शीघ्र हटाएं, ताकि दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सके। बैठक में पुलिस एवं यातायात विभाग को मालवाहक गाड़ियों में सवारी ले जाने वालों पर सख्त कार्यवाही, शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर, बिला लाइसेंस वाहन चालन एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिले में चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट्स में सुधार, दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों की पहचान एवं उन पर सुधारात्मक कार्य के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्रमुख मार्गों पर गति सीमा का पालन सुनिश्चित करने, शराब एवं मादक द्रव्यों के सेवन कर वाहन चलाने की रोकथाम, बिना लाइसेंस, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट एवं नाबालिगों द्वारा वाहन चालन, सड़क मार्गों पर घुमंतू मवेशियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

कोण्डागांव में 2073 हितग्राहियों को 45.86 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी से जारी

कोण्डागांव। नगरपालिका परिषद कोण्डागांव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किया जा रहा है। योजना के पारदर्शी एवं सुचारु क्रियान्वयन के तहत अब तक कुल 2073 हितग्राहियों को 45 करोड़ 85 लाख 95 हजार रुपये की अनुदान राशि का भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। यह राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। नगरपालिका परिषद कोण्डागांव द्वारा आगामी चरण में 57 अतिरिक्त हितग्राहियों को 31 लाख 12 हजार 622 रुपये की अनुदान राशि का भुगतान किए जाने हेतु संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी व कार्यालय में बिल प्रेषित कर दिया गया है। आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण होते ही इन हितग्राहियों को शीघ्र ही राशि का भुगतान किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत प्रथम चरण तथा निर्माणाधीन सभी आवासों में निर्माण की प्रगति के अनुसार नींव, लिंटल, छत एवं पूर्णता स्तर पर नियमानुसार शत-प्रतिशत अनुदान राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। कुछ हितग्राहियों के आधार सीडिंग एवं बैंक खाता लिंकिंग से संबंधित तकनीकी समस्याएं सामने आई हैं, उनके निराकरण हेतु नगर निकाय द्वारा संबंधित विभागों एवं बैंकों के साथ समन्वय कर निरंतर कार्य किया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र हितग्राही को अनुदान प्राप्त करने में कोई बाधा न आए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 240 हितग्राहियों के खातों में 5.42 करोड़ हस्तांतरित

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की गई है। नगर पंचायत ने अब तक क्षेत्र के कुल 240 पात्र हितग्राहियों को 542.04 लाख रुपये की अनुदान राशि का भुगतान सफलतापूर्वक कर दिया है। नगर पंचायत प्रशासन के अनुसार, यह पूरी राशि प्रणाली के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में भेजी गई है, जिससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म हुई है और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। योजना के अगले चरण में 19 अतिरिक्त हितग्राहियों को अनुदान राशि देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके लिए संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी कार्यालय को बिल भेज दिए गए हैं। आधिकारिक प्रक्रियाओं के पूर्ण होते ही इन हितग्राहियों के खाते में भी राशि जमा कर दी जाएगी।

निर्माण की प्रगति के आधार पर शत-प्रतिशत भुगतान – नगर पंचायत ने स्पष्ट किया है कि BLC प्रथम चरण और PMAY 2.0 के तहत निर्माणाधीन आवासों का भुगतान निर्माण की प्रगति के आधार पर किया जा रहा है।

जैसे-जैसे मकान की नींव, लिंटल, छत और पूर्णता का कार्य नियमानुसार पूरा होगा, वैसे-वैसे हितग्राहियों को किस्तों में शत-प्रतिशत अनुदान राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान – आधार सीडिंग और बैंक खाता लिंकिंग जैसी तकनीकी समस्याओं के कारण जिन हितग्राहियों का भुगतान रुका है, उनके लिए नगर निकाय सक्रियता से काम कर रहा है। इसके लिए संबंधित विभागों और बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं को सुलझाया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रहना पड़े। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के लिए सभी पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध और पारदर्शी रूप से लाभ पहुँचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनुदान राशि की कोई कमी नहीं है। हमारा संकल्प 'सभी के लिए आवास' के सपने को साकार करना और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार लाना है।

21 दिसंबर को करीब सवा लाख बच्चों को मिलेगी जीवन रक्षक खुराक

जगदलपुर। बस्तर जिले में पोलियो के खिलाफ जंग को और मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की तैयारियां जोरों पर हैं। रविवार 21 दिसंबर को होने वाले इस मेगा अभियान में 0 से 5 वर्ष के एक लाख 24 हजार 377 बच्चों को पोलियो की जीवन रक्षक दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा वंचित न रहे, और शत-प्रतिशत कवरेज हासिल हो। कलेक्टर हरिस एस की अध्यक्षता में आयोजित डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक में जिला स्तर के सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा विभिन्न विभागों के मैदानी अमले के साथ समन्वय स्थापित कर प्रचार-प्रसार किया जाए। हर गांव, हर पारे-टोले तक संदेश पहुंचे, ताकि उपलब्धि 100 प्रतिशत हो। बैठक में अंतरविभागीय समन्वय पर जोर दिया गया, जिसमें स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा और स्थानीय प्रशासन की भूमिका अहम बताई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय कार्यशाला और प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान टीकाकरण कर्मियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। जिले में कुल 498 बूथ स्थापित किए जाएंगे, जिनमें जगदलपुर शहरी क्षेत्र में 72 बूथ शामिल हैं। इसके अलावा, 100 सुपरवाइजर, 1992 टीकाकरण कार्यकर्ताओं, 20 मोबाइल टीम और 24 ट्रांजिट टीम तैनात रहेंगी।

विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। मोबाइल टीमें बाजारों, मेला-मड़ई, ईंट भट्ठों, भवन निर्माण स्थलों, घुमंतु बसाहटों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर आने-जाने वाले बच्चों को दवा पिलाएंगी। सीएमएचओ डॉ. बसाक ने बताया कि यह अभियान न केवल पोलियो को जड़ से समाप्त करेगा। बल्कि हर्ड इम्युनिटी को मजबूत बनाकर वातावरण में मौजूद वाइल्ड पोलियो वायरस को निष्क्रिय कर देगा। भारत को पोलियो मुक्त बनाने की यह मुहिम देशव्यापी है, लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अभी भी पॉजिटिव केस सामने आ रहे हैं, जो हमारे लिए खतरे की घंटी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवको ने किया दंड प्रहर महायज्ञ का आयोजन

किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के किरंदुल शाखा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दण्ड प्रहार की आहुति दी गयी। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवको को दंड शिक्षक द्वारा दण्ड शिक्षा दिया गया।इस दौरान नगर संचालक रामकृष्ण बैरागी नगर कार्यवाह मोहित देशमुख ने कहा की अपना देश आदि काल से शक्ति की उपासना करता आ रहा है। 16 दिसंबर सन 1971 को भारतीय जांबाजों ने 97368 सशस्त्र पाकिस्तानी सैनिकों को घुटने टिकवाये थे, उसी की याद में वीरता और विजय की यह दिवस संघ के स्वयंसेवको द्वारा दण्ड प्रहार लगाकर मनाया जाता हैं।किरन्दुल शाखा के सभी स्वसंसेवको के द्वारा भी दण्ड प्रहार की आहुति देकर यह विजय दिवस मनाया गया जिसमे स्वयंसेवको के अतिरिक्त सामान्य जनमानस की भी सहभागिता रही।

जगदलपुर में 21 दिसंबर को सजेगा साहित्य का मंच

जगदलपुर। बस्तर की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने तथा उसे नई दिशा देने के उददेश्य से आगामी रविवार 21 दिसंबर को जगदलपुर शहर के वीर सावरकर भवन में एक दिवसीय बस्तर साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर स्थानीय साहित्य प्रेमियों और बुद्धिजीवियों में खासा उत्साह है। साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित यह साहित्य सम्मेलन न केवल बस्तर अंचल के स्थापित साहित्यकारों के लिए, बल्कि नई पीढ़ी के लिए भी बस्तर की संस्कृति को गहराई से समझने का एक सुनहरा अवसर साबित होगा। कार्यक्रम की रूपरेखा तीन अलग-अलग सत्रों में तय की गई है, जहाँ प्रत्येक सत्र के लिए डेढ़ घंटे का समय निर्धारित किया गया है ताकि विषयों पर गहन मंथन हो सके। सम्मेलन की शुरुआत बस्तर का साहित्यिक वातावरण विषय से होगी। इस प्रथम सत्र में बस्तर में रचे जा रहे साहित्य और यहाँ के लेखकों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की जाएगी। इसके पश्चात कार्यक्रम का दूसरा सत्र बस्तर की जड़ों और परंपराओं की ओर मुड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

रामानुजगंज: भाजपा के जिला अध्यक्षों के चयन पर युवा मोर्चा ने मनाई खुशी

रामानुजगंज। भाजपा के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति एवं युवा मोर्चा के नए जिला अध्यक्षों के चयन पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और युवा मोर्चा के सदस्यों में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष बद्री यादव, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुंशी सिंह और युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंगलम पांडे के बनने की खुशखबरी मिलने के बाद भाजपा युवा मोर्चा के सदस्यों ने स्थानीय लरंगसाय चौक पर जोरदार जश्न मनाया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के सदस्यों ने आतिशबाजी के साथ एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और नए जिला अध्यक्षों के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दीं। आयोजन में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए और उन्होंने पार्टी की नीतियों और आगामी योजनाओं पर चर्चा भी की। उपस्थित युवाओं ने कहा कि नए अध्यक्षों के आने से जिले में संगठन को और मजबूती मिलेगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। भाजपा युवा मोर्चा विक्रम गुप्ता एवं नंदकेश्वर गुप्ता ने कहा कि यह पार्टी और संगठन के लिए गर्व का पल है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मिलकर पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग करें और जिले के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएँ।इस अवसर पर उपस्थित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी नए जिला अध्यक्षों को बधाई दी और आगामी कार्यक्रमों में उनके साथ मिलकर जनता की सेवा करने का भरोसा जताया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद युवा मोर्चा के सदस्य खुशी-खुशी लौटे, लेकिन चौक पर जश्न का माहौल देर तक बना रहा। इस दौरान वरिष्ठ नेता कन्हैया लाल अग्रवाल,शर्मिला गुप्ता,अरुण केसरी, सीताराम गुप्ता संजय गुप्ता, डॉ राकेश गुप्ता, धर्म प्रकाश केसरी, विकास गुप्ता अर्जुन दास सिद्धांत यादव अर्पित जायसवाल आकाश तिवारी, अमित सिंह कृष्ण गुप्त, अमन पांडे कलाम मंसूरी सहित भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खलिहान में रखे पैरावट में लगी आग फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची मौके पर पाया आग पर काबू

सरगुजा। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लहपटरा के बडखा पारा में 18 दिसंबर दिन गुरुवार की सुबह लगभग 9 बजे किसान के खलिहान में लगे पैरावट में आग लग गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक पैरा जलकर खाक हो चुका था। वही किसानों को पैरा जल जाने से मवेशियों के लिए चारा की समस्या उत्पन्न हो गई है।लगभग ?50000 की क्षति 4 किसानों को हुई है। ग्रामीण आनंद राजवाड़े, हीरासाय राजवाड़े, विजय पाल, केवल राम के द्वारा बताया गया कि गांव के ही सुपारी लाल के द्वारा ईट बनाने के लिए साफसफाई कर कचरे में आग लगा दिया गया था। जिसके बाद आग की चिंगारी किसानों के खलिहान तक पहुंच गई और पैरावट में आग गई देखते ही देखते आग ने रौद्र रूप ले लिया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम गांव पहुंची और जब तक आग पर काबू पाया जाता तब पारा जलकर खाक हो चुका था।

रायपुर रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज से मिलने पहुंचे कुन्नी और दारिमा भाजपा मंडल के पदाधिकारी

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा के विधायक प्रबोध मिंज का विगत दिनों पूर्व रात में अचानक तबीयत बिगड़ गई और अंबिकापुर के निजी अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया था। यथावत स्थिति बन होने के कारण विधायक प्रबोध मिंज का उपचार रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में जारी है। वहीं लुण्ड्रा विधानसभा के कुन्नी एवं दारिमा भाजपा मंडल के पदाधिकारी गण 18 दिसंबर दिन गुरुवार की सुबह लगभग 10 बजे रामकृष्ण केयर अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज से मुलाकात करते हुए उनका कुशल छेम जाना।

स्कायरिच हायर सेकेंडरी स्कूल में मातृ सम्मेलन का भव्य आयोजन

अम्बिकापुर। उदयपुर स्थित स्कायरिच हायर सेकेंडरी स्कूल में मातृ सम्मेलन का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती राधा रवि (जिला पंचायत सदस्य) एवं विशिष्ट अतिथियों श्रीमती रैमुनिया करियाम (जिला पंचायत सदस्य), श्रीमती कल्पना भदोरिया, श्रीमती शुभ्रा सिंह, श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती शांति राजवाड़े, श्रीमती कृतिका सिंह (सरपंच, केदमा), श्रीमती प्रमिला पोर्ते, श्रीमती शीला अग्रवाल, श्रीमती सविता गुप्ता, सुश्री चुतकुवर (ब्रह्माकुमारी), सरपंच संघ अध्यक्ष श्री प्रदीप सिंह, प्रबंधक श्री श्यामाचरण गुप्ता एवं प्राचार्य श्री राम प्रसाद गुप्ता द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष मंगलदीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत तिलक, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से किया गया। विद्यालय की नन्ही बालिकाओं द्वारा सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया गया। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्राचार्य श्री राम प्रसाद गुप्ता ने कहा कि शिक्षा बालक के सर्वांगीण विकास की वैचारिक प्रक्रिया है, जिसमें मां की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। परिवार एवं कुटुंब में संस्कारक्षम वातावरण निर्माण में मातृशक्ति के योगदान को उन्होंने विस्तार से रेखांकित किया और उपस्थित माताओं-बहनों से सारगर्भित विचार साझा करने का आग्रह किया। सम्मेलन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं की माताओं सहित लगभग 400 माताओं की सहभागिता रही। मंच एवं सभा स्थल पर उपस्थित माताओं ने विषय पर अपने अनुभव और विचार साझा किए। मुख्य अतिथि श्रीमती राधा रवि ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के कारण परिवारों में बढ़ती दूरियां, तनाव एवं संवेदनहीनता का प्रभाव बच्चों पर पड़ रहा है, ऐसे में माताओं को विशेष सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए। प्रबंधक श्री श्यामाचरण गुप्ता ने कहा कि एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच समाज एवं संस्कृति की रक्षा के लिए बच्चों में संस्कारयुक्त विचारों का समावेश आवश्यक है। श्रीमती रैमुनिया करियाम ने परिवार को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु भोजन, भजन, भाषा, वेशभूषा, भवन एवं भ्रमण जैसे तत्वों पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। श्रीमती कल्पना भदौरिया ने भारतीय नारी को परिवार की आधारशिला, समाज की प्रेरणा एवं राष्ट्र की आत्मा बताया। श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती सविता गुप्ता एवं श्रीमती शुभ्रा सिंह ने मां के संस्कारों, पारिवारिक सहभागिता, मोबाइल के संतुलित उपयोग, सामूहिक भजन एवं प्रकृति से जुड़ाव जैसे विषयों पर विचार रखे। सरपंच संघ अध्यक्ष श्री प्रदीप सिंह ने कहा कि माता प्रथम गुरु होती है और बच्चों की छोटी-छोटी गलतियों पर समय रहते मार्गदर्शन आवश्यक है। कार्यक्रम में श्रीमती कृतिका सिंह, श्रीमती प्रमिला पोर्ते, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्रीमती शीला अग्रवाल, श्रीमती अनीता अग्रवाल सहित अन्य वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई, पन्नाधाय, अहिल्याबाई, माता सीता आदि महान माताओं के उदाहरण प्रस्तुत कर बच्चों में संस्कार, अध्ययनशीलता एवं उत्तम नागरिकता विकसित करने पर बल दिया।इस अवसर पर नन्हे छात्र-छात्राओं ने दुर्गा, काली, भगवान शिव, कृष्ण एवं सरस्वती की विविध वेशभूषाओं में प्रेरणादायक प्रस्तुतियां दीं। अपने बच्चों को डॉक्टर एवं इंजीनियर बनाने वाली विशिष्ट माताओं का सम्मान किया गया। माताओं के लिए खेलकूद एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बच्चों द्वारा शांति पाठ, भोजन मंत्र, इंग्लिश प्रेयर, गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया गया।कार्यक्रम में श्री भारत गुप्ता, श्री देव सिंह, श्री अजय रवी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं माताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन की सफलता में श्रीमती अनीता वर्मा, श्रीमती अरुणि वर्मा, श्रीमती सोनू मानिकपुरी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका श्रीमती रुबीना अली ने किया तथा समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

तकनीकी खामियों के कारण छात्रवृत्ति से वंचित हजारों विद्यार्थी, रचित मिश्रा ने उठाई पोर्टल खोलने की मांग

- आज़ाद सेवा संघ ने छात्रवृत्ति पोर्टल की तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाने हेतु आयुक्त को लिखा पत्र

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ के हजारों विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित करने हेतु 'आज़ाद सेवा संघ छत्तीसगढ़' के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त को ज्ञापन प्रेषित कर पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है। संघ ने शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आवेदन करने की समय सीमा समाप्त हो चुकी है, किंतु प्रदेश के सुदूर वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों पात्र विद्यार्थी तकनीकी बाधाओं के कारण अब भी आवेदन से वंचित हैं। रचित मिश्रा ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि आवेदन की अंतिम अवधि के दौरान विभागीय पोर्टल का सर्वर अत्यंत धीमा था, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों को लॉगिन करने और ओटीपी सत्यापन जैसी अनिवार्य प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके अतिरिक्त, कई महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया देर से संपन्न होने के कारण विद्यार्थियों को अपने आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के नवीनीकरण हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इन प्रशासनिक और तकनीकी कारणों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हजारों छात्र पोर्टल पर अपने दस्तावेज अपलोड करने से चूक गए हैं। संघ ने इस विषय की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा है कि यह छात्रवृत्ति राशि ही इन विद्यार्थियों की शिक्षा का मुख्य वित्तीय आधार है। इसके अभाव में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कई छात्र अपनी आगामी परीक्षाओं की फीस भरने और निरंतर शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे। अत: छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए 'आज़ाद सेवा संघ' ने विभाग से मांग की है ।

उरांव समाज का सामाजिक महा सम्मेलन का हुआ आयोजन.....

- चार ब्लॉकों के 3000 से अधिक समाज के लोग हुए महासम्मेलन मेंशामिल
- संविधान की दिलाई शपथ

अम्बिकापुर। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड के ग्राम अरगोती छापरनाका में 18 दिसंबर दिन गुरुवार की सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कुडुख आदिवासी उरांव सेवा एवं समाज कल्याण समिति सरगुजा के द्वारा सामाजिक महासम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। इस समस्मेलन जिले के लखनपुर उदयपुर लुण्ड्रा मैनपाट ब्लॉक के लगभग 3000 से अधिक उरांव समाज के लोग शामिल हुए। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करते हुए महासम्मेलन का शुभारंभ किया गया। मंच से उराव समाज के 3000 लोगों को संविधान की शपथ दिलाई गई। इस महासम्मेलन में उराव समाज के इतिहास पर चर्चा, सामाजिक चिंतन, सामाजिक कुरीतियों को दूर करते हुए एक जुटता पर चर्चा समाज के युवा वर्ग हेतु रोजगार सृजन हेतु मार्गदर्शन को लेकर विषय वार चर्चा किया गया। उरांव समाज महासम्मेलन के कार्यक्रम अध्यक्ष मनबहाल मिंज ने कहा कि विगत 4 सालों से गांव गांव मोहल्ले मोहल्ले जाकर समाज के लोगों को जगाने जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कोयला अफरा तफरी गिरोह का भंडाफोड़

कोरबा। कोरबा पुलिस ने कोयला अफरा-तफरी करने वाले एक संगठित गिरोह पर बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 335 टन कोयला, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 76 हजार रुपये है, तथा अपराध में प्रयुक्त 6 ट्रेलर वाहनों को जब्त किया है। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नितीश ठाकुर एवं नगर पुलिस अधीक्षक दर्री श्री विमल कुमार पाठक के निर्देशन में थाना दीपका पुलिस द्वारा की गई। प्रार्थी महताब आलम द्वारा थाना दीपका में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेलर संचालकों ने अदानी पावर जयरामनगर रेलवे साइडिंग के कुछ कर्मचारियों से मिलीभगत कर एसईसीएल गेवरा खदान से जयरामनगर रेलवे साइडिंग तक भेजे जाने वाले 335 टन कोयले को निर्धारित स्थान पर न पहुंचाकर उसकी अफरा-तफरी कर दी। इस पर थाना दीपका में अपराध क्रमांक 444ध्25 धारा 316(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए कोयला व ट्रेलर जब्त किए तथा पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी लक्ष्मण कुमार श्रीवास (25), निवासी मस्तूरी, जिला बिलासपुर तुषार खंडे (24), निवासी परसदा, थाना सकरी, जिला बिलासपुर गोपी किशन सोनझरी (22), निवासी खमरिया, जिला बिलासपुर

पच्चीस दिवसीय योग विज्ञान शिविर का आयोजन

बिलासपुर। पच्चीस दिवसीय योग शिविर विवेकानंद उद्यान बिलासपुर में दिनांक 26 नवंबर से 21 दिसंबर से प्रात: 6:00 बजे से 7:30 बजे तक पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के द्वारा संचालित किया जा रहा है,इस अवसर पर पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के सह राज्य प्रभारी कमलेश योगी एवं भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी श्री गोविन्द जी के द्वारा सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया, इस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के नियमित रूप योगिग जॉगिंग के बारह अभ्यास सूर्य नमस्कार,आसन में पवन मुक्तासन,उत्तान पादासन, नवकासन, हलासन, सर्वांगासन,मर्कटासन, एवं भस्त्रिका प्राणायाम, कपाल भांति प्राणायाम,उज्जायी प्राणायाम अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम उद्गीत प्राणायाम, प्रणव प्राणायाम ध्यानात्मक, सिंहासन, हास्यासन आदि कराया गया,सह राज्य प्रभारी श्री योगी ने कहा कि योग से गंभीर से गंभीर बीमारियों का समाधान होता है, हमारे सनातन धर्म योग विद्या, वेदों में व्याधि मुक्त समाधि युक्त जीवन व्यतीत करने का उल्लेख है,जो मनुष्य इसका पालन करेगा वास्तव में वही व्यक्ति मानव जीवन का सदुपयोग, प्रयोग, उद्योग कर सकेगा, और उसके भीतर,दया, करूणा,साहस, निर्भयता, पुरूषार्थ, सज्जनता, विनम्रता, उत्साह, उमंग, धैर्य, वाणी को आत्मसात कर सकेगा, और आकाश जैसा विराटता,जल जैसा शीतलता, अग्नि जैसा तेज, वायु जैसा वेग, पृथ्वी जैसा सहन शीलता को अपने जीवन में उतार सकेगा, आज वर्तमान समय में पूरा विश्व योग को अपनाकर बेहतर जीवन व्यतीत करने की आवश्यकता है, इस शिविर के पश्चात प्रतिभागियों को पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में स्वामी रामदेव जी के सानिध्य में मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे मुख्य योग बनकर अपनी सेवाएं प्रदान कर सकेंगे और भारत को स्वस्थ, समृद्ध, शक्तिशाली भारत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण योगदान दें सकेगें, इस योग शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित मुख्य योग शिक्षक एवं पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान न्यास, युवा भारत, किसान सेवा समिति वरिष्ठ पदाधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित साधक, नागरिक उपस्थित हुए।

जिला पंचायत सीईओ पहुंचे पहुँचविहीन पहाड़ी कोरवा ग्राम खिरहिर

- आवास चौपाल आयोजित कर पीएम आवास निर्माण हेतु हितग्राहियों को किया प्रोत्साहित
- पेयजल समस्या की मांग पर सीईओ ने तत्काल दो नलकूप खनन कराने के दिए निर्देश

अम्बिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने एवं अप्रारंभ आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने के उद्देश्य से जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में वृहद स्तर पर आवास चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। इन चौपालों के माध्यम से हितग्राहियों से सीधा संवाद कर आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल जनपद पंचायत अंबिकापुर के पहुँचविहीन ग्राम पंचायत नानदमाली अंतर्गत पहाड़ी कोरवा बस्ती खिरहिर पहुंचे। यहां उन्होंने आवास चौपाल का आयोजन कर पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की। चौपाल के दौरान उन्होंने जनमन आवास हितग्राहियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उन्हें शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया तथा निर्माण में आ रही व्यवहारिक समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। आवास चौपाल में उपस्थित पहाड़ी कोरवा समुदाय के ग्रामीणों द्वारा पेयजल की समस्या से अवगत कराए जाने पर जिला पंचायत सीईओ ने तत्काल दो नलकूप खनन कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में चल रहे आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य एवं प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। वहीं ग्रामीणों द्वारा बस्ती तक पहुँच मार्ग निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रवाल ने वन विभाग से त्वरित समन्वय स्थापित कर स्टीमेट तैयार कर शीघ्र मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत रेम्हला में आयोजित आवास चौपाल में भी सहभागिता की, जहां उन्होंने आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में गति लाने एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि जिले में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के लिए कुल 2565 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से अब तक 1265 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, शेष आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत अंबिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.एस. सेंगर, एपीओ आवास डॉ. प्रशांत शर्मा, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील मिश्रा, आवास समन्वयक, सहायक अभियंता, सचिव, रोजगार सहायक सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बालको ने किया मंगल भवन का नवीनीकरण

कोरबा। बालको टाउनशिप में स्थित मंगल भवन के नवीनीकरण परियोजना का उद्घाटन बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर बालको के अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न यूनियन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको सदैव अपने समुदाय के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और मंगल भवन का नवीनीकरण इसी सोच का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह भवन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन के रूप में विकसित हो गया है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएँ और सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करना है। मंगल भवन के नवीनीकरण के पश्चात इसके स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव हुआ है। भवन के आंतरिक और बाहरी हिस्सों को आकर्षक बनाने के साथ ही स्वच्छता और रोशनी पर विशेष ध्यान दिया गया है। अब यह भवन न केवल देखने में सुंदर है, बल्कि उपयोग के लिहाज से भी अत्यंत सुविधाजनक बन गया है। मंगल भवन में अब स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे युवा, बुजुर्ग और महिलाएँ सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकें।

पैरेंटिंग का ये तरीका है सबसे बेस्ट

बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है। पहली बार पैरेंट्स बनने वालों को लिए तो इसमें काफी मुश्किलें होती हैं, क्योंकि उन्हें कई सारी चीजें पता ही नहीं होती हैं। जिसकी वजह से कई सारी गलतियां भी होती हैं। इन गलतियों का असर बच्चों के दिल और दिमाग पर हो सकता है। ऐसे में पीडियाट्रिक बच्चों की सही परवरिश को लेकर कई टिप्स बताते हैं। जिन्हें फॉलो कर अपने बच्चों को अच्छा भविष्य दे सकती हैं। इससे उनके साथ आपका बॉन्ड भी काफी मजबूत बनेगा।

बच्चों की बात से सहमत होना

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आपका बच्चा आपकी हर बात से सहमत नहीं है या किसी बात पर आप दोनों के विचार नहीं मिल पा रहे हैं तो ये ओके है। अगर बच्चे के विचार आपसे अलग हैं तो इसका मतलब वह खुद से कुछ नया ट्राई करना चाहता है। वो अपने हिसाब से अपनी लाइफ जीना चाहता है। ऐसे में परेशान होकर उस पर दबाव नहीं बनाना चाहिए, क्योंकि ये उसके भविष्य के लिए ठीक है।

हर दिन कुछ नया सीखें

पीडियाट्रिशियन के मुताबिक, बच्चों की परवरिश करते समय हर दिन आगे बढ़कर कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। इससे आप बच्चों के विकास को एंजॉय कर पाएंगे। डॉक्टर के मुताबिक, बच्चे को रोने से भी कभी नहीं रोकना चाहिए। इस तरह वो अपनी भावनाएं व्यक्त करता है। उसे भावनाओं को सही तरह समझानें का सही तरीका बताएं। इससे बच्चा अपने इमोशंस को सही तह समझ पाएगा और उन्हें कंट्रोल कर पाएगा।

बच्चों के पापा को क्या करना चाहिए

बच्चे की परवरिश में पिता का काफी योगदान होता है। उन्हें अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करना पड़ता है। पिता का काम बच्चे को सिर्फ फाइनेंशियल ही नहीं इमोशनल सपोर्ट भी करना चाहिए। अपने बच्चे को भावनात्मक रूप से मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

बच्चों की परवरिश करते समय क्या करें

अगर आप अभी-अभी पैरेंट बने हैं और बच्चों का परवरिश करना सीख रहे हैं तो ऊपर बताई सभी टिप्स को फॉलो करना चाहिए। इससे बच्चे को आसान और बेहतर जिंदगी दे पाएंगे। आपका और बच्चे का बॉन्ड भी अच्छा बनेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि किसी तरह की परेशानी आने पर बच्चे किसी और के पास जाने की बजाय आपके पास आएगा और उसे सही सलाह मिल पाएगी।

न जिम, न डाइट ऐसे बने फिट

वजन बढ़ना आज बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह बिगड़ती लाइफस्टाइल और गलत खानपान है। कई लोग वजन कम करने के लिए जिम में घंटों पसीना बहाया करते हैं,लेकिन महिलाओं के लिए यह पॉसिबल नहीं हो पाता है, कि वे जिम के लिए समय निकाल पाएं। ऐसे में वे घर पर ही रहकर वेट लॉस कर सकती हैं। आज हम उनके लिए कुछ ऐसे आसान एक्सरसाइज लेकर आए हैं, जिन्हें थोड़ा सा टाइम निकालकर रोजाना करने से वजन तेजी से कम कर सकती हैं। आइए जानते हैं...

ब्रिज पोज

ब्रिज पोज योग कमर और पीठ से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में विशेष लाभदायक होता है। रोजाना इसे करने से पीठ, ग्लूट्स, पैरों और टखने मजबूत बनते हैं। इसके साथ ही छाती, हृदय और कूल्हे की मांसपेशियां स्वस्थ रहती है। वजन कम करने में इस योग का कोई जोड़ नहीं है। एक्सपर्ट्स भी महिलाओं के इस योग को हर दिन करने की सलाह देते हैं। इससे चर्बी तेजी से निकल जाती है और बॉडी फिट बनती है।

जॉगिंग एंड रनिंग

वजन कम करने में जॉगिंग और रनिंग बेहद ही बेहतरीन एक्सरसाइज होती है। इस वर्कआउट को अपनी डेली रूटीन में शामिल कर महिलाएं वजन कम कर सकती हैं। इस एक्सरसाइज से आंतों की चर्बी कम होती है और वजन तेजी से घटता है। इसे आसानी से कहीं भी कर सकती हैं। इससे हार्ट की बीमारियां भी दूर होती हैं।

स्क्वाट्स

पैरों को मजबूत बनाने के साथ ही स्क्वाट्स कमर और पेट के आसपास की चर्बी को भी कम करता है। इससे पीठ दर्द से भी आराम मिलता है। हालांकि इसे शुरू करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। घुटने में दर्द रहता है तो स्क्वाट्स से बचना चाहिए। इस एक्सराइज से वजन तेजी से कम होता है। महिलाएं घर में रहकर इसे आसानी से कर

शादी से पहले पार्टनर को परखें

शादी होने से ज्यादा शादी टूटने की खबरें सामने आ रही हैं। फिल्म स्टार हो या फिर नॉर्मल लाइफ जी रहा कोई व्यक्ति, आजकल हर किसी के लिए शादी तोड़ना आम बात हो गई है। ऐसा सही जीवन साथी ना चुनने के कारण होता है। वैसे तो पैरेंट्स अपने बेटे या बेटी के लिए सही जीवनसाथी की तलाश में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते। मैरिड लाइफ में खुशहाली चाहते हैं तो आपको लाइफ पार्टनर का चुनाव करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। इसी के साथ बेहतर जीवनसाथी के लिए आपको उसे सही से परखना चाहिए। यहां कुछ ऐसी आदतों के बारे में बता रहे हैं जो शादी से पहले आपको पार्टनर के अंदर परखनी चाहिए।

1) लाइफ पार्टनर हमेशा ऐसा चुनना चाहिए जो एक-दूसरे का सम्मान करे। इसी के साथ एक ऐसा पार्टनर चुनें जो रिश्तों की अहमियत को समझें। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को जीवन साथी चुन रहे हैं,जो हमेशा अपनी चलाना पसंद करता है। तो इससे आगे चलकर आपके लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

2)आप जिसे अपना लाइफ पार्टनर चुन रहे हैं उसके साथ शादी से पहले कुछ मुलाकातें करें। मिलने-जुलने पर आपको एक दूसरे के विचारों के बारे में पता चलेगा। लड़का-लड़की अगर आपके विचारों को मैच करे तो ही शादी के लिए हां करें।

3) लाइफ पार्टनर चुनते समय ध्यान देना चाहिए दोनों की दिलचस्पी एक दूसरे की पसंद-नापसंद में हो। ऐसा जरूरी नहीं जो आपको पसंद है वह आपके पार्टनर को भी पसंद हो, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए की जीवन साथी आपके पसंद के बीच अड़चन बने।

4) पार्टनर की एजुकेशन क्वालिफिकेशन और जॉब पर भी गौर करें। हमेशा ऐसा जीवनसाथी चुनें जो आपको समझने के साथ ही आपके काम को भी समझे और आगे बढ़ने के लिए सपोर्ट करे। अगर पार्टनर ऐसा है तो रिश्ते को हां कह सकते हैं।

प्रेगनेंसी में हाई हील्स सही या गलत?

हील्स पहनना हर लड़की को पसंद होता है। इससे हाइट अच्छी लगती है और लुक भी अच्छा दिखाई देता है। हालांकि, हर चीज को पहनने की एक उम्र और समय होता है। कुछ महिलाएं प्रेगनेंसी में हाई हील्स पहनती हैं,लेकिन क्या ऐसा करना चाहिए। चूंकि प्रेगनेंसी में काफी उतार-चढ़ाव आते हैं, ऐसे में हाई हील्स पहनना कितना सुरक्षित है, आइए एक्सपर्ट्स से समझते हैं..

प्रेगनेंसी में हील्स पहनना चाहिए या नहीं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी की शुरुआत से लेकर बच्चे को फीड और कैरी करने तक हील्स पहनने से हर महिला को बचना चाहिए। इसके पीछे कोई साइंटिफिक कारण तो नहीं है,लेकिन चूंकि प्रेगनेंसी में किसी महिला का वजन काफी बढ़ता है, इसलिए इस दौरान हील्स पहनने से बैलेंस बिगड़ सकता है और इससे कई परेशानियां हो सकती हैं। कई महिलाओं में प्रेगनेंसी में पैरों में सूजन बढ़ जाती है, ऐसे में हील्स के कारण टाइटनेस और सूजन भी बढ़ सकती है। वहीं, ज्यादा देर तक हील्स पहनने से कमर में दर्द की समस्याएं भी हो सकती है।

प्रेगनेंसी में हील्स पहनने के ये भी नुकसान

प्रेगनेंसी के दौरान हील्स पहनने से पैरों में दर्द बढ़ सकता है। कुछ मामलों में दर्द घुटनों में हो सकता है। इसलिए प्रेगनेंसी में हील्स बेहद सावधानी पूर्वक पहननी चाहिए। वहीं, जब बच्चा छोटा होता है, तब हील्स के साथ बच्चे को गोद में लेकर चलने में समस्या आ सकती है। इसलिए जब तक बच्चा चलने नहीं लग जाता है, तब तक मां को हील्स पहनने से बचना चाहिए।

प्रेगनेंसी में किस तरह के फुटवियर पहनना चाहिए

डॉक्टर के मुताबिक, प्रेगनेंसी के शुरुआती तीन महीनों में महिलाओं को संभलकर चलना चाहिए, क्योंकि इस दौरान हल्के झटके या पैर स्लिप होने से मिसकैरिज का रिस्क हो सकता है। हालांकि, पहली तिमाही में हील्स पहनने से मना नहीं किया जाता है। ऑफिस जाने वाली महिलाएं हल्की हील्स पहन सकती हैं,लेकिन पूरी तरह से संभलकर चलना चाहिए, ताकि फिलसकर नहीं गिरना चाहिए। प्रेगनेंसी की दूसरी और तीसरी तिमाही में ज्यादा वजन बढ़ने से हील्स पहनने में समस्या हो सकती है, इसलिए इस दौरान हील्स की जगह आरामदायक फ्लैट स्लीपर, सैंडल या शूज पहनना बेहतर माना जाता है, क्योंकि तीसरी तिमाही में फिसलकर गिरने पर प्री मैच्योर डिलीवरी का जोखिम बन सकता है।

सर्दियों के मौसम में फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और इसी वजह से सांसों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। जहां सर्दियों में ठंड लगने से जुकाम, खांसी और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याएं होती हैं वहीं, बच्चों में सीजनल फ्लू का रिस्क भी बहुत अधिक होता है। इन दिनों कोविड संक्रमण के मामले भी बढ़ रहे हैं ऐसे में कमजोर इम्यूनिटी के कारण बच्चों में संक्रमण का भी रिस्क अधिक है। बच्चों को इंफ्लुएंजा या फ्लू और बीमारियों के मौसम में हेल्दी और सेफ रखने के लिए कुछ उपाय अपनाने चाहिए। यहां पढ़ें बच्चों में फ्लू के लक्षण और उनसे आराम पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों के बारे में

सर्दियों के मौसम में बच्चों में फ्लू के लक्षण

फ्लू के लक्षण :- बहती नाक, बंद नाक, गले में खराश और सूजन, तेज बुखार, उल्टी, सुस्ती और थकान, खांसी की समस्या, सांस लेने में तकलीफ

बचाव के उपाय :- अपने और बच्चे की साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चे को बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए कहें। खांसते समय और छींकते हुए अपना मुंह और नाक कवर करें। बच्चों को छूने या उनकी देखभाल करते समय मास्क पहनें और हाथों में ग्लव्ज पहनें। अगर किसी बच्चे को संक्रमण हुआ हो तो उसे ठीक होने तक दूसरे लोगों से दूर रखें। बच्चों की सभी वैक्सीन्स लगाएं। यह उन्हें सेफ रहने में मदद करेगा। बच्चों को निमोनिया की वैक्सीनजरूर लगवाएं। सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का पालन करें। बच्चों में किसी भी तरह के लक्षण दिखायी दें तो डॉक्टर से सम्पर्क जरूर करें।

ऐसे करें 'थायराइड' कंट्रोल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमें बार-बार थकान महसूस होना आम बात हो जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लगातार थकान और बिना किसी वजह के वजन बढ़ना कहीं गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है और साथ ही आपको पहले के मुकाबले ज्यादा थकान महसूस हो रही है तो सावधान हो जाइए। ये थायराइड जैसी गंभीर समस्या के संकेत हो सकते हैं। थायराइड एक महत्वपूर्ण हार्मोनल ग्रंथि होती है और इसमें किसी भी प्रकार की समस्या से शरीर के कई फंक्शंस बुरी तरह प्रभावित होने लगते हैं।

थायराइड मुख्य रूप से दो प्रकार

हाइपरथायराइड और हाइपोथायराइड होते हैं। इन दोनों स्थितियों में थायराइड ग्रंथि उतना हार्मोन नहीं बना पाती जितना कि शरीर को चाहिए होता है,लेकिन कुछ डाइट में बदलाव और कुछ जड़ी-बूटियों की मदद से हम थायराइड की समस्या पर काबू पा सकते हैं। आइए जानते हैं,यहां कौन सी वे जड़ी-बूटियां हैं।

काला जीरा

क्या आप जानते हैं कि काला जीरा थायराइड संबंधी समस्याओं को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है? काले जीरे में मौजूद तत्व थायराइड हार्मोन के स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं। एक स्टडी के अनुसार, 22 से 50 वर्ष की आयु के लोगों ने 8 हफ्तों तक काला जीरा लिया। इससे उनके थायराइड हार्मोन लेवल में सुधार हुआ। साथ ही शारीरिक वजन भी कम हुआ। इसलिए, अगर आपको थायराइड संबंधी समस्या है तो काले जीरे का उपयोग जरूर करें। चाय, सूप या सलाद के रूप में लें। यह आपको हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा।

तुलसी

तुलसी में कई गुण होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकते हैं। इसमें एंटी-फंगल और एंटी-इन्फ़्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये गुण थायरॉयड समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से या चबाकर खाने से थायरॉयड संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो हमारे हार्मोन्स के संतुलन में सुधार कर सकते हैं। ये हार्मोन्स हमारे शरीर के कई कार्यों को नियंत्रित करते हैं। अश्वगंधा के चूर्ण को पानी में उबालकर पीने से हार्मोन संतुलन में सुधार हो सकता है। अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं जो शरीर के लिए हानिकारक ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

मूली खाने के फायदे

सर्दियों के मौसम में मूली खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। मूली से कई तरह की चीजें बनाई जाती है। खाने के साथ सलाद के तौर पर भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। मूली में विटामिन सी, फाइबर और कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। यह बीमारियों से बचाने के साथ सेहत को बेहतर बनाए रखने में मददगार होता है।

1. वेट लॉस

मूली खाने का सबसे बड़ा फायदा है कि इससे वजन तेजी से कम हो सकता है। दरअसल, मूली में लो कैलोरी और हाई फाइबर पाया जाता है, जो कमर की चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। फाइबर के सेवन से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। मूली खाने से पाचन भी अच्छा बनता है।

2. कब्ज भगाएं

मूली में फाइबर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। इससे कब्ज की छुट्टी हो सकती है। फाइबर सेहतमंद डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए भी अहम होता है। यह स्टूल को नरम बनाकर कब्ज से राहत दिलाता है। मूली के पत्ते का साग डाइजेशन को दुरुस्त रखता है।

3. डायबिटीज कंट्रोल करें

फाइबर के सेवन इंसुलिन का लेवल बैलेंड होता है। जिससे डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। चूंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एनर्जी मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने की शक्ति होती है। फाइबर युक्त आहार खाने की सलाह दी जाती है।

4. इम्यूनिटी बेहतर बनाएं

मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा असर इम्यूनिटी पर पड़ता है। इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मूली काफी फायदेमंद होता है। इसके रोजाना सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

एसिडिटी बनना भी है हार्ट अटैक का वॉर्निंग

चूंकि युवाओं के काम के घंटे बढ़ गए हैं, इस वजह से एक्सरसाइज से उनका वास्ता दूर-दूर तक नहीं रहता है। वह अकेले रहते हैं और फास्ट फूड ज्यादा खाते हैं। काम का स्ट्रेस और उससे बचने के लिए स्मोकिंग या ड्रिंक करने का असर उनकी दिल की सेहत पर पड़ता है। कई बार फैमिली हिस्ट्री की वजह से भी हार्ट अटैक का रिस्क बना रहता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वर्तमान लाइफस्टाइल में फिजिकल एक्टिविटी बिल्कुल न के बराबर हो गई है। हर कोई गाड़ी से चलने लगा है और लोगों का स्ट्रेस बांटने वाला ही कोई नहीं है। ऐसे में उनकी दिल की परेशानियां बढ़ती जाती हैं और हार्ट अटैक का कारण बन जाती हैं।

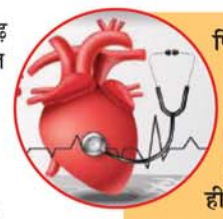

पिछले दो सालों में हार्ट अटैक और कार्डिएक अरेस्ट के केस तेजी से बढ़े हैं। इससे पहले माना जाता था कि 50 साल की उम्र के बाद ही हार्ट अटैक आता है,लेकिन अब 18-20 साल के युवाओं में भी इसके मामले आने लगे हैं। जिम और पार्क में एक्सरसाइज करने वाले फिट लोग भी इसका शिकार बन रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर क्यों युवाओं में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए..

हार्ट अटैक का कारण:

हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि हार्ट अटैक की एक नहीं कई वजहें हैं। हालांकि, इसकी सबसे बड़ी वजह लाइफस्टाइल है।

हार्ट अटैक से बचाव में क्या करें:

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक्सरसाइज या डाइट के अलावा नींद की कमी, स्ट्रेस, बीपी, शुगर भी दिल की सेहत पर असर डालता है। ऐसे में रेगुलर एक्सरसाइज करने के अलावा अगर नींद, बीपी, शुगर, स्ट्रेस और खानपान में लापरवाही करते हैं तो भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। इसलिए इन सभी चीजों पर ध्यान देकर दिल की सेहत को दुरुस्त रख सकते हैं। दिल की सेहत का ख्याल रखने के लिए एक्सरसाइज, बेहतर डाइट, नींद, मेडिटेशन-योग को रूटीन में शामिल करें और स्ट्रेस-स्मोकिंग-एल्कोहल से दूरी बनाएं।

हार्ट को हेल्दी बनाने के लिए क्या करें

1. खाने में प्रोटीन बढ़ाएं, कार्बोहाइड्रेट घटाएं। फल का सेवन करें। नमक, चीनी, चावल, मैदा को डाइट से हटाएं।
2. स्ट्रेस कम करने के हर उपाय पर काम करें।
3. स्लीप पैटर्न को सुधारें और कम नींद लेने से बचें।
4. रोजाना 25-30 मिनट तक कार्डियो एक्सरसाइज करें।

हार्ट अटैक की वार्निंग संकेत

1. खाना खाने के बाद अगर पेट में एसिडिटी हो रही है।
2. ज्यादा चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर सांस फूलना।
3. जबड़े से लेकर कमर तक भारीपन महसूस होना।
4. जो काम पहले आराम से होता था, उसे करने में परेशानी होना।
5. अचानक से घबराहट होना।
6. हार्ट अटैक की फैमिली हिस्ट्री।

खाना खजाना

बेसन की रोटी

सर्दियों के मौसम में बेसन की रोटी एक ऐसा ही स्वादिष्ट व्यंजन है जो सर्दियों में बहुत फायदेमंद होती है। बेसन में पाए जाने वाले पोषक तत्व विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स हमारी इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं। साथ ही ये हमारे शरीर को अंदर से गर्म रखकर सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करते हैं। यहां जानिए बेसन की स्वादिष्ट रोटी को कैसे बनाया जा सकता है। इसके और भी फायदे।

सामग्री:

1 कप बेसन का आटा, 1 कप गेहूं का आटा, 1 चुटकी हींग, 14 कप बारीक कटे प्याज, 1 हरी मिर्च कटी हुई, हरा धनिया कटा हुआ, स्वादानुसार नमक, जरूरत के अनुसार पानी

बनाने की विधि:

सबसे पहले बेसन में गेहूं का आटा मिला लें। फिर इसमें नमक, हींग, हरी मिर्च, कटा हुआ प्याज और धनिया मिलाएं। अब पानी के साथ इसे अच्छी तरह गूथ लें और थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। अब इससे लोई बनाकर बेल लें और तवे पर सेक लें। रोटी सेंकने के बाद ऊपर घी लगाएं और चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें। या आप इसे सरसों के साग के साथ खा सकते हैं।

दुर्ग में पूर्व सीएम भूपेश ने भाजपा पर साधा निशाना

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन

बेरिकेट्स तोड़ा, पुलिस से झूमा झटकी

दुर्ग.लोकतंत्र प्रहरी। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करने के बाद छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन जारी है। दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ में गुरुवार को कांग्रेस ने भाजपा कार्यालय के समीप जमकर प्रदर्शन किया।

दुर्ग में विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले थे और रास्ते में लगाई गई दो सुरक्षा लेयर (बैरिकेडिंग) को तोड़कर कार्यालय के बेहद करीब पहुंचे.इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे महात्मा गांधी की विचारधारा को नष्ट करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ÷असत्य और हिंसा÷ की राह पर है और गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की मानसिकता का समर्थन करती है।

बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजना 'मनरेगा' से जानबूझकर महात्मा गांधी का नाम हटा दिया गया है, जो उनकी विरासत को मिटाने की साजिश है। प्रदर्शन में भूपेश बघेल के साथ पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू,पूर्व विधायक अरुण वोरा सहित कई वरिष्ठ नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।इसके अलावा बिलासपुर और रायगढ़ में भी बवाल खबरें सामने आई है।

20 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला जन कल्याणकारी योजना के तहत मिला मुफ्त गैस सिलेंडर और चूल्हा

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी अंतर्गत ग्राम कुगदा के 20 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मंत्री उज्ज्वला जन कल्याणकारी योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर व चूल्हा वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद राजमहंत ओंकार प्रसाद मारकंडे के द्वारा प्रदान किया गया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की उज्ज्वल योजना के तहत गरीब परिवार के मातृ शक्तियों को चूल्हे से निकलने वाले धुंए के प्रदूषण से होने वाली बिमारियों से बचाने तथा वायु प्रदूषण को रोकने के लिए इस योजना को लागू किया गया है । अब तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत देश के करोड़ों परिवार को इसका लाभ मिल चुका है। ग्राम कुगदा की माताओं ने मुफ्त गैस सिलेंडर व चूल्हा पाकर खुशी जाहिर की एवं सभी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत उत्सव के तहत् नवा रायपुर में 23 से 25 जनवरी 2026 तक साहित्य उत्सव का आयोजन

छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा है, जिसकी विशिष्ट पहचान है: शशांक शर्मा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत उत्सव के तहत नवा रायपुर में 23 से 25 जनवरी 2026 को तीन दिवसीय साहित्य उत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन के संबंध में साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ एवं दुर्ग जिला हिन्दी साहित्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में विगत 14 दिसंबर 2025 रविवार को आर्शीवाद भवन पदमनाभपुर में दुर्ग जिले की साहित्यिक यात्रा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में अविभाजित दुर्ग जिले के समस्त वरिष्ठ साहित्यकार सम्मिलित हुए। परिचर्चा के दौरान साहित्यकारों ने दुर्ग जिला गठन 1906 से लेकर जिले के विभाजनकाल एवं अब तक की साहित्यिक यात्रा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। आयोजन के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शंशाक शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा है, जिसमें राजनीति से लेकर साहित्य एवं संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। छत्तीसगढ़ को बने अभी 25 वर्ष हुए है। छत्तीसगढ़ की इस विशिष्ट पहचान को साहित्य के साथ विकसित राज्य के रूप में प्रदर्शित करने राज्य के रजत उत्सव के दौरान साहित्य उत्सव का भी आयोजन 23 से 25 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस उत्सव को संपूर्ण छत्तीसगढ़ का उत्सव बनाना है। शर्मा ने दुर्ग जिले के सभी साहित्यकारों को उत्सव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का साहित्य यहां की पुरातन संस्कृति की गौरव गाथा है। पुरातन साहित्य का संरक्षण करते हुए इसका पुनः प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरखों के साहित्य को नई पीढ़ी तक कैसे हस्तांतरित करें? इसलिए इस उत्सव का स्वरूप आदि से अनादि तक दिया गया है। परिचर्चा में पंकज झा ने सभी साहित्यकारों को इस साहित्य उत्सव का आमंत्रण स्वीकार करने की अपील की।

जनदर्शन में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी गई, संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश

श्मशान घाट, फसल प्रविष्टि एवं मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त, जनदर्शन में कुल 102 आवेदन हुए प्राप्त

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर भिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं हितेश पिस्दा ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 102 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में आज जनदर्शन में ग्राम कबीरनगर करहीडीह निवासियों ने शमसान घाट बनाने के लिए आवेदन दिया। निवासियों ने बताया कि ग्राम कबीरनगर करहीडीह वार्ड नं. 15 में श्मशान घाट हेतु भूमि पूर्व से आबंटित है। जो कि शासकीय भूमि है। ग्रामवासियों को उक्त भूमि पर श्मशान घाट निर्माण से कोई आपत्ति नहीं है। परंतु तालाब किनारे बसे कुछ व्यक्तियों द्वारा अनावश्यक आपत्ति की जा रही है, जिससे श्मशान घाट निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। जबकि वे व्यक्ति उक्त भूमि के वास्तविक हकदार नहीं हैं। उन्होंने श्मशान घाट निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाने आवेदन दिया, जिससे भविष्य में ग्रामवासियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम रीवागहन की महिला कृषक धान फसल प्रविष्टि डीसीएस पोर्टल में शून्य हो जाने से धान विक्रय नही होने की शिकायत की। महिला कृषक ने बताया कि पटवारी द्वारा भौतिक सत्यापन के बाद पोर्टल में पूरा रकबा सही रूप से प्रदर्शित नहीं हो रहा है, जिससे उनकी भूमि का कुछ भाग छूट गया है। छूटे हुए खसरों में वास्तविक रूप से धान की खेती की गई है, लेकिन फसल प्रविष्टि शून्य होने के कारण टोकन नहीं कट पा रहा और उपार्जन केंद्र में धान विक्रय संभव नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में तहसील कार्यालय में भी आवेदन दिया गया था। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने तहसीलदार पाटन को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम कोड़िया कृषक ने अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि न मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनकी भूमि तिलाहीनाला बिरेझर से लगा हुआ है। उनकी भूमि पर नया पुल बनने के कारण लगभग आधा हिस्सा सड़क में चला गया है और केवल थोड़ी भूमि ही बची है। खेती करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने अपने भूमि का सीमांकन करवाया है। इस संबंध में संबंधित कार्यालय में आवेदन भी दिया गया है। इस पर एसडीएम दुर्ग को निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

इस्पात नगरी भिलाई में 25 से 29 दिसम्बर तक दिव्य हनुमंत कथा का आयोजन

दुर्ग। इस्पात नगरी भिलाई में जयंती स्टेडियम के समीप ग्राउण्ड में 25 से 29 दिसम्बर तक दिव्य हनुमंत कथा का आयोजन होने जा रहा हैं। उक्त आयोजन हेतु आज ध्वज पूजन किया गया। सेवा समर्पण समिति द्वारा आयोजित दिव्य हनुमंत कथा के इस ध्वज पूजन कार्यक्रम में प्रदेश के गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव की मौजूदगी में कार्यक्रम स्थल पर विधि-विधान पूर्वक हनुमंत एवं ध्वज पूजन कर ध्वज फहराया गया। ध्वज पूजा उपरान्त सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष और सेवा समर्पण समिति के संयोजक राकेश पाण्डेय, पूर्व सांसद सरोज पाण्डेय, पूर्व मंत्रीमती रमशीला साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर छात्राओं को मिला स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

- म.ल.ब.कन्या उ.मा. स्कूल में विशेषज्ञों द्वारा बाल विवाह, स्वास्थ्य, एड्स व तंबाकू नियंत्रण पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

जशपुरनगर । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर के निर्देशानुसार विश्वव्यापी स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुर में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। विशेषज्ञों के व्याख्यान छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी रहे, जिनसे उन्हें दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संबंधी सही निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। काउंसलर अकलतरा भगत द्वारा बाल विवाह, टीनेज प्रेग्नेंसी एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य योजना विषय पर विस्तृत एवं प्रभावी व्याख्यान दिया गया। वहीं काउंसलरमती पूजा झरना बखला एवंमती सरस्वती बेहरा द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम पर छात्राओं को जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, साइकोलॉजिस्ट डॉ. अबरार खान, सीनियर नर्सिंग अधिकारी विवेक कुजूर एवं सोशल वर्कर एनएमएचपी दीपक कुमार द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं सोशल वर्कर एनटीसीपीमती प्रिया सोनी द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता रही।

अनुभव, नेतृत्व और संगठन की नई ऊर्जा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के पूर्व महामंत्री संजयवास्तव ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय पहुँचकर नितिन नबीन जी से सौजन्य भेंट की एवं उन्हें भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। श्रीवास्तव ने कहा कि अपने संगठनात्मक अनुभव, दूरदर्शी नेतृत्व और जनसेवा की भावना से नितिन नबीन जी पार्टी की विचारधारा एवं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का कार्य करेंगे तथा भाजपा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के सह-प्रभारी एवं प्रभारी के रूप में नितिन नबीन जी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व और सटीक रणनीति के परिणामस्वरूप राज्य में भाजपा को ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त हुआ।

जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 19 दिसम्बर को,पंजीयन की अंतिम तिथि 18 दिसम्बर, आयोजन स्थल-सेजस सेलूद पाटन

दुर्ग। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जिले के तीनों विकास खंडों के युवा कलाकारों के लिए है। जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को निम्नलिखित विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा- लोक नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नृत्य, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोक गीत, वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार, एकांकी, पारंपरिक वेशभूषा और रॉकबैंड। प्रतिभागी अपनी संबंधित सामग्री स्वयं लाएँगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजन में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की आयु वर्ग 15 से 29 वर्ष तक होना चाहिए। प्रतिभागियों को अपने आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर के साथ जिला स्तर पर पंजीकरण कराना होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 18 दिसंबर 2025 है और आयोजन तिथि 19 दिसंबर 2025 को समय प्रातः 9 बजे सेजस सेलूद, पाटन में होगा। स्पर्धा प्रभारी पोखन लाल साहू मोबाइल नंबर 9301415506 है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्राम नगपुरा के पवन विश्वकर्मा के जीवन में आया सकारात्मक परिवर्तन

दुर्ग। राज्य में गरीबों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की दिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एक प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। जनपद पंचायत दुर्ग के ग्राम पंचायत नगपुरा निवासी पवन कुमार विश्वकर्मा को वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई। उन्हें यह राशि तीन किस्तों में (प्रथम किस्त 40,000 रूपए, द्वितीय किस्त 60,000 रूपए, और तृतीय किस्त 20,000 रूपए समय पर प्रदान की गई। इस योजना का लाभ मिलने से पहले, पवन विश्वकर्मा अपने परिवार के साथ एक कच्चे और जर्जर मकान में रहते थे, जहाँ उन्हें बरसात, गर्मी और सर्दी के मौसम में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। समय पर प्राप्त किस्तों की सहायता से उन्होंने सफलतापूर्वक अपने पक्के आवास का निर्माण कार्य पूरा किया, जिससे उनके परिवार को अब सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर आवासीय वातावरण प्राप्त हुआ है। साथ ही बच्चों के लिए पढ़ाई का शांत माहौल भी मिला है। आवास के साथ-साथ, उन्हें अभिसरण के माध्यम से अन्य महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिला है, जिनमें स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय, उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन, दीनदयाल ज्योति योजना के तहत विद्युत कनेक्शन, मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी राशि, एन.आर.एल.एम. समूह से लाभ, जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन, और सोक्ता गढ्ढा निर्माण शामिल हैं। इससे उनके परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। पवन कुमार विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा और परिवर्तन का प्रभावी माध्यम है, जिसने उनके सपनों के घर को वास्तविक रूप प्रदान किया है। जिला पंचायत दुर्ग द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं।

'मित्र कुंभ 2025' समारोह का हुआ आयोजन

सन् 1974 से 2023 तक के करीब 150 पूर्व छात्रों ने लिया भाग

दुर्ग। शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग के पूर्व छात्र संघ द्वारा विगत दिवस एक दिवसीय 'मित्र कुंभ 2025' पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और प्राचार्य, फैकल्टी समेत पूरे पॉलिटेक्निक परिवार को भावनात्मक रूप से जुड़े। यह आयोजन मुख्यतः सन् 1975 बैच के स्वर्ण जयंती वर्ष और सन् 2000 बैच के रजत जयंती वर्ष को समर्पित था।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से सन् 1974 से 2023 तक के करीब 150 पूर्व छात्रों ने भाग लिया और कॉलेज से अपनी गहरी जुड़ाव का अनुभव साझा किया। एलुमिनी असोसिएशन ने कॉलेज और वर्तमान छात्रों के उत्थान हेतु कई नई पहल की घोषणाएँ भी कीं। संस्था के संरक्षक एवं प्राचार्य प्रकाश कुमार पांडे ने छात्रों को मार्गदर्शन दिया और असोसिएशन की सफलता पर बधाई दी। अध्यक्ष डॉ. हिमानी अग्रवाल ने इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए सहयोग का मजबूत मंच बताया। उपाध्यक्ष हर्षवर्धनवास्तव ने आयोजन की भव्यता और अनुशासन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. रचना सिंह ने किया। इस आयोजन ने दुर्ग पॉलिटेक्निक परिवार को एक मजबूत और सक्रिय एलुमिनी नेटवर्क के माध्यम से भविष्य में संस्था के विकास की दिशा में नए संकल्प दिए हैं।

सोनकर समाज कुम्हारी राज में महिला एवं युवा पदाधिकारियों का हुआ गठन सरस्वती सोनकर बनी अध्यक्ष

कुम्हारी। वार्ड क्रमांक 14 स्थित सोनकर समाज भवन में कुम्हारी राज सोनकर समाज के सदस्यों द्वारा बैठक आहूत की गई जिसमें केंद्रीय सोनकर समाज के आदेशानुसार कुम्हारी राज में समाजिक पदाधिकारियों के विस्तार के तहत महिला एवं युवा पदाधिकारियों के गठन के विषय पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुआ बैठक में उपस्थित समाज के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से महिला अध्यक्ष के रूप में सरस्वती सोनकर की नियुक्ति की गई वहीं उपाध्यक्ष राधा सोनकर, चंपा सोनकर सचिव उमा सोनकर सह सचिव जमुना सोनकर को बनाया गया। युवामोर्चा में अध्यक्ष के पद पर लोकेश सोनकर उपाध्यक्ष लक्की सोनकर, सूरज सोनकर सचिव मंदीप सोनकर सह सचिव राकेश सोनकर की नियुक्ति की गई। बैठक में कुम्हारी राज अध्यक्ष महेश सोनकर पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर, पार अध्यक्ष मनहरण सोनकर, छन्नूलाल सोनकर, चंदन सोनकर, सहित बड़ी संख्या में समाजिक पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com